RNI. MPHIN/2016/68439

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल, सोमवार 28 जुलाई 2025

वर्ष- 10 | अंक-60 | पेज-8 | राजधानी भोपाल से प्रसारित | मूल्य 1 रुपए

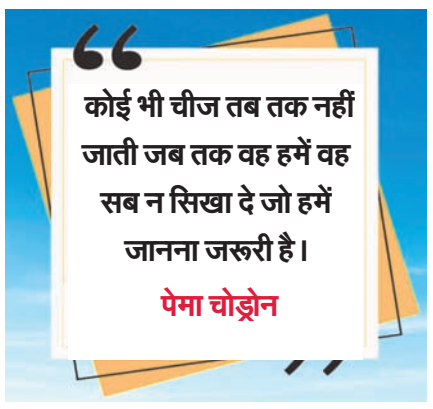

पेज 4

न्यूज ब्रीफ

वॉलमार्ट स्टोर में चाकूबाजी, 11 घायल

न्यूयार्क। अमेरिका के उत्तरी मिशिगन में शनिवार को ट्रैवर्स सिटी में एक वॉलमार्ट स्टोर में चाकूबाजी की घटना में 11 लोग घायल हो गए। मिशिगन स्टेट पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है और मामले की जांच जारी है। मिशिगन स्टेट पुलिस के सिक्स्थ डिस्ट्रिक्ट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा- संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन अभी जानकारी सीमित है। पुलिस ने लोगों से जांच पूरी होने तक घटनास्थल के आसपास न आने की अपील की है। मुनसन मेडिकल सेंटर में सभी 11 घायलों का इलाज चल रहा है। वॉलमार्ट के प्रवक्ता जो पेनिंगटन ने कहा कि कंपनी पुलिस के साथ पूरी तरह सहयोग कर रही है। उन्होंने एक ईमेल में कहा कि हम पुलिस के साथ काम कर रहे हैं और अभी सभी सवालों के लिए उनसे ही संपर्क करें।

इजराइल ने गाजा में पहली बार मदद पहुंचाई

गाजा। इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग के बाद रविवार को पहली बार गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई है। इजराइली सेना ने आटा, चीनी, दवाई और डिब्बाबंद खाना गाजा में हवाई मार्ग से पहुंचाया। यह कदम अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उठाया गया। वहीं, इजराइल ने गाजा के कुछ हिस्सों में सीजफायर और संयुक्त राष्ट्र के लिए सुरक्षित रास्ते बनाने का भी ऐलान किया ताकि वहां की जनता को मदद पहुंचाया जा सके। मार्च से मई तक इजराइल ने गाजा में बाहरी सहायता पर रोक लगा दी थी। अब इजराइल का कहना है कि वह यूएन की सहायता वितरण में रुकावट नहीं डाल रहा। गाजा में इजराइल-हमास जंग को शुरू हुए 22 महीने हो चुके हैं। अब तक इस लड़ाई की वजह से 124 लोग भूख से मारे गए हैं, जिनमें से 81 बच्चे हैं। जुलाई महीने में ही भूख से 40 लोगों की मौत हुई, जिनमें 16 बच्चे हैं।

क्राइम ब्रांच ने रेव पार्टी पर मारा छापा

पुणे। पुणे पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने रेव पार्टी पर छापामार कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर का नाम भी शामिल हैं। रेव पार्टी स्थल से पुलिस ने कोकेन सहित कई नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस ने रविवार सुबह बताया कि पुणे शहर के पॉश खराडी इलाके में एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी की सूचना मिली थी, इस पर अपराध शाखा की टीम ने छापामार कार्रवाई की। छापेमारी में पुलिस ने गांजा, शराब और हुक्का जैसे नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। इसी के साथ पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। जानकारी अनुसार प्रांजल खेवलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की नेता एडवोकेट रोहिणी खडसे के पति हैं। इंस्टाग्राम प्रोफाइल में प्रांजल एक उद्यमी, समाजसेवी और डॉक्टर भी हैं। एक अन्य जानकारी अनुसार वे व्यवसायी और निमार्ता भी हैं। उन्होंने अपने बैनर समर प्रोडक्शंस के तहत बनाए गए संगीत वीडियो ना होना तुमसे दूर से मनोरंजन उद्योग में भी कदम रखा था।,

भोपालवासियों को मेट्रो ट्रेन की सौगात बहुत जल्द : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मेट्रो ट्रेन में यात्रियों के लिए होंगी सभी आधुनिक सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेट्रो ट्रेन कार्य का किया निरीक्षण

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से एम्स तक एवं वापसी में एम्स से आरकेएमपी स्टेशन तक टेस्ट रन भी लिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार भोपालवासियों को बहुत जल्द (अक्टूबर 2025 तक) मेट्रो ट्रेन की अनुपम सौगात दे देने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर में यात्री मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। जनता से इसे बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। भोपाल मेट्रो ट्रेन का काम भी तेजी से जारी है। कुछ काम शेष रह गया है, जो डेढ़ से दो महीने में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा उन्होंने कहा कि भोपाल मेट्रो का टेस्ट रन चल रहा है। रिसर्च डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) द्वारा भोपाल मेट्रो निरीक्षण पूरा कर लिया गया है। शीघ्र ही कमिश्नर, मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) निरीक्षण के लिए आएंगे। कमिश्नर रेल सेफ्टी से अनुमति मिलते ही भोपाल मेट्रो ट्रेन का प्रायोरिटी कॉरीडोर आमजन के लिए खोल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मेट्रो ट्रेन की सवारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को भोपाल मेट्रो ट्रेन की सवारी कर इसकी ट्रायल यात्रा (टेस्ट रन) की। मुख्यमंत्री ने तीन डिब्बों वाली मेट्रो ट्रेन में सुभाष नगर स्टेशन से एम्स तक और वापसी में एम्स से आरकेएमपी स्टेशन तक टेस्ट रन लेकर इसमें मौजूद सुविधाओं और खूबियों को जाना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार नागरिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर और भोपाल शहर को मेट्रो ट्रेन की सौगात दी है। उनके मार्गदर्शन में हमारी सरकार भोपाल मेट्रो ट्रेन का शीघ्र लोकार्पण करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने मेट्रो ट्रेन के सफर को आनंददायक बताते हुए कहा कि हम जल्द से जल्द भोपाल के हर नागरिक को इस आनंदमयी यात्रा का उपहार देना चाहते हैं। मेट्रो की यात्रा से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल मेट्रो रेल के प्रायोरिटी कॉरीडोर के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के समीप स्थापित मेट्रो ट्रेन के सेंट्रल कंट्रोल रूम (कमांड सेंटर) भी पहुंचे और वहां से मेट्रो ट्रेन संचालन के बारे में तकनीकी जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने मुख्यमंत्री को मेट्रो ट्रेन के लिए अबतक के विकास घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी दी।

इंदौर मेट्रो का पूरा सेक्शन इसी साल के अंत तक प्रारंभ करने की तैयारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर मेट्रो ट्रेन के शेष कार्यों की प्रगति की जानकारी भी मीडिया को दी। उन्होंने कहा कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन की सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। सरकार का लक्ष्य है कि इंदौर मेट्रो का पूरा सेक्शन, जो सुपर कॉरीडोर से मालवीय नगर चौराहा (रेडिसन चौराहा) तक इसी साल के अंत तक प्रारंभ हो जाए। इससे इंदौर शहरवासियों को पूर्ण मेट्रो ट्रेन सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि इंदौर और भोपाल में विश्वस्तरीय मेट्रो ट्रेन सेवा समय पर शुरू हो, जिससे आमजन को सार्वजनिक परिवहन का एक सरल, सहज, सुगम, बेहतर और सुरक्षित माध्यम मिल सके।

पीएम मोदी ने सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर स्मारक सिक्का जारी कर कहा

चोल साम्राज्य ने भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाया

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले स्थित गंगैकोंडा चोलपुरम में चोल वंश के महान शासक सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर आयोजित ऐतिहासिक आदि तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने राजेंद्र चोल के सम्मान में एक स्मारक सिक्का जारी किया। पीएम मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले में गंगैकोंडा चोलपुरम पहुंचे थे। वे यहां चोल वंश के महान सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम के जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऐतिहासिक आदी तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भाल लेने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने हेलीपैड से बृहदीश्वर मंदिर तक रोड शो भी किया। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर उपस्थित लोगों ने झंडे लहराकर और नारे लगाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। गांव को फूलों, पारंपरिक

बैनरों और चोल-युग के प्रतीकों से सजाया गया था। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, कि यह भूमि राजराजा की आस्था की भूमि है और इलैयाराजा ने हम सभी को शिव भक्ति में डुबो दिया। उन्होंने कहा कि मैं काशी से सांसद हूं। और जब मैं ऊं नमः शिवाय सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इसी के साथ चोल वंश के संदर्भ में पीएम मोदी ने कहा कि इतिहासकारों का मानना है कि चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम-काल में से एक रहा।

सम्राट राजेंद्र चोल की विरासत

गंगैकोंडा चोलपुरम का अर्थ है– गंगा को जीतने वाले चोल का शहर। इसे सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम ने गंगा के मैदानों तक अपनी विजयी सैन्य यात्रा के बाद स्थापित किया था। उन्होंने इसे राजधानी बनाया और बृहदीश्वर मंदिर व चोलगंगम झील का निर्माण कराया, जो उनकी शक्ति और दूरदर्शिता के प्रतीक हैं।

स्मारक सिक्के का महत्व

गंगैकोंडाचोलपुरम विकास परिषद ट्रस्ट के अध्यक्ष आर. कोमागन के अनुरोध पर यह सिक्का जारी किया गया। यह सिक्का, राजेंद्र चोल के शासनकाल, स्थापत्य उपलब्धियों, और दक्षिण-पूर्व एशिया तक उनके साम्राज्य के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मानित करता है।

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में हुई मौतों पर पीएम और राष्ट्रपति ने जताया दुख

नई दिल्ली। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार को मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई गंभीर रूप से घायल हैं। राहत व बचाव कार्य जारी हैं। इस हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख जताया है। पीएमओ ने नरेंद्र मोदी के हवाले से एक्स पर लिखा- उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। ईश्वर घायलों को शीघ्र स्वस्थ करे। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की मदद कर रहा है। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी हादसे पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा- मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ की दुर्घटना में अनेक श्रद्धालुओं की मौत का समाचार बहुत पीड़ादायक है। मैं सभी शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र स्वस्थ हों। इससे पहले प्रदेश के सीएम पुष्कर धामी ने हादसे पर दुख जताते हुए

एक्स पर लिखा-हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुए हृदय विदारक हादसे में 6 लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। सीएम ने आगे लिखा- प्रदेश सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

ईडी-सीबीआई जांच रुकवा दें तो बीजेपी में बीआरएस का करवा देंगे विलय

बीजेपी सांसद सीएम रमेश ने दावा- केटी रामाराव ने दिया था प्रस्ताव

हैदराबाद,। बीजेपी सांसद सीएम रमेश ने दावा किया है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने अपनी बहन के कविता और अन्य के खिलाफ ईडी और सीबीआई जांच रुकवाने के बदले में बीजेपी से गठबंधन या पार्टी विलय का प्रस्ताव दिया था। रमेश ने कहा कि क्या केटीआर भूल गए कि वह मेरे दिल्ली स्थित घर आए थे? जो सीसीटीवी में रिकॉर्ड है, मीडिया को भी दिखा सकता हूं। उन्होंने खुद कहा कि अगर जांच रोक दी जाए तो बीआरएस का बीजेपी में विलय करा देंगे। केटीआर ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठा और मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि बीआरएस का कभी किसी पार्टी में विलय नहीं होगा। उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस दोनों पर हमला बोलते हुए कहा कि ये सब अफवाहें हमारे खिलाफ भ्रष्टाचार के झूठे आरोपों से ध्यान भटकाने की कोशिश हैं। केटीआर ने तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी और बीजेपी सांसद सीएम रमेश के बीच गुप्त समझौते का आरोप भी लगाया और दावा किया कि तेलंगाना में आंध्र प्रदेश के ठेकेदारों को सरकारी प्रोजेक्ट्स दिए जा रहे हैं।

मृतक, घायलों की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

सीएम धामी ने मनसा देवी भगदड़ की मजिस्ट्रियल जांच के दिए आदेश

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर मार्ग पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। गंभीर घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस घटना पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही मृतक के परिवारजनों और घायलों के परिवारवालों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया है। सीएमओ से जारी बयान में कहा गया है कि प्रदेश सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही घटना के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश भी दिए हैं। सीएमओ ने अपने बयान में कहा है कि सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार दुख की इस

घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। हरिद्वार के जिला मजिस्ट्रेट को घटना की मजिस्ट्रियल जांच करने का आदेश दिया गया है और उन्हें तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की जा रही है। इससे पहले सीएम ने कहा कि एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है जिसमें मनसा देवी मंदिर में एक अफवाह के कारण मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए हैं। बचाव अभियान जारी है जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घायलों की मदद के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तराखंड सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री रविवार दोपहर हरिद्वार जिला अस्पताल का दौरा किया। सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने बताया कि मनसा देवी मंदिर में हुई घटना की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं।

कारगिल युद्ध के बाद वाजपेयी सरकार ने गठित की थी समीक्षा समिति, चर्चा भी हुई थी

कांग्रेस सांसद जयराम ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध के बाद पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की ओर से समिति गठित करने का हवाला दिया। रविवार को एक्स पर पोस्ट में जयराम ने कहा कि यह याद दिलाना जरूरी है कि 30 जुलाई 1999 को भारत-पाक युद्ध खत्म होने के तीन दिन बाद अटल सरकार ने चार सदस्यीय कारगिल समीक्षा समिति गठित की थी। इस समिति की अध्यक्षता के सुब्रह्मण्यम ने की थी, जिनके बेटे आज भारत के विदेश मंत्री हैं। । यह रिपोर्ट जरूरी संशोधनों के साथ 23 फरवरी 2000 को संसद में पेश की गई और उस पर चर्चा भी हुई थी, लेकिन तब अलग पीएम थे, सत्ताधारी पार्टी बीजेपी भी अलग तरह की थी और राजनीतिक माहौल भी बिल्कुल अलग था। जयराम ने कहा कि लोकसभा में सोमवार से पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर बहस शुरू होने जा रही है और राज्यसभा में यह बहस मंगलवार को होगी। ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोके जाने के बाद कांग्रेस ने तुरंत दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, जिसे सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। फिर भी देर से आए दुरुस्त आए। जयराम ने कहा कि आइए, इस बहस की पृष्ठभूमि में घटित अहम घटनाओं पर नजर डालें। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ था। इस हमले के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार आतंकियों को अब तक न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया है। बताया गया है कि ये आतंकी पहले भी पुंछ, गगनगीर और गुलमर्ग में हुए आतंकी हमलों में शामिल थे। कांग्रेस की मांग पर 22 अप्रैल 2025 को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, लेकिन हमारी मांग के मुताबिक इसकी अध्यक्षता पीएम मोदी ने नहीं, बल्कि रक्षा मंत्री ने की। इस बैठक में खुफिया एजेंसियों की चूक पर सवाल उठाए गए थे। जयराम ने कहा कि 30 मई 2025 को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिनों में हुई रणनीतिक गलतियों पर अहम खुलासे किए। ये खुलासे सिंगापुर में किए गए थे। 29 जून 2025 को जकार्ता स्थित भारतीय दूतावास में तैनात एक रक्षा अधिकारी ग्रुप कैप्टेन शिवकुमार ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राजनीतिक फैसलों ने सैन्य अभियानों को बाधित किया।

इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 15 दिसंबर 1999 को सौंपी

दिल्ली एलजी ने टॉकीजों को लाइसेंस देने का अधिकार अब सरकार को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने टॉकीज, थिएटर और मल्टीप्लेक्स को लाइसेंस देने का अधिकार पुलिस से वापस ले लिया और सरकार को दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को जारी एक आदेश में एलजी ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वह संबंधित पुलिस अधिकारियों को चलचित्र अधिनियम के तहत लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से तत्काल प्रभाव से अलग रहने का निर्देश दें। अधिकारी ने बताया कि लाइसेंसिंग व्यवस्था को और उदार बनाने व दिल्ली में कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाए गए इस कदम से संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली समिति के पास लाइसेंस देने की सिफारिश करने का अधिकार होगा। समिति में संबंधित एमसीडी जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव की ओर से नामित एक संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की ओर से नामित एक अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ और बिजली विभाग के सचिव की ओर से नामित एक विद्युत प्रणाली विशेषज्ञ शामिल होंगे। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि भी जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित किया जाएगा।

भारत ने मालदीव की मदद की, आगे भी हम अच्छे सहयोगी साबित होंगे: मुइज्जू

पीएम मोदी की मालदीव यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़े बदलाव लाएगी

माले। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा कि भारत उन देशों में से है जो कि मालदीव का पर्यटन बढ़ाने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि वह भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि हमने एफटीए को लेकर बातचीत शुरू कर दी है और जल्द ही इसपर निर्णय भी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में दोनों देश एक दूसरे के अहम सहयोगी साबित होंगे। मुइज्जू ने कहा कि भारत ने मालदीव की मदद की है और आगे भी हम अच्छे सहयोगी बने रहेंगे। पीएम मोदी की इस यात्रा के बाद मालदीव का पर्यटन और बढ़ जाएगा। इसके अलावा हमारा पीपल टु पीपल कनेक्शन भी मजबूत होगा। भारत यात्रा के बारे में मुइज्जू ने कहा कि जल्द ही वह प्लान करेंगे। पीएम मोदी शनिवार को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। मोदी का समारोह में शामिल होना दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का एक और संकेत है। मालदीव की राजधानी में स्थित

समारोह स्थल, रिपब्लिक स्क्वायर पर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और उनके मंत्रिमंडल के शीर्ष मंत्रियों ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में पीएम मोदी का मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पहला मौका है जब किसी भारतीय पीएम ने मालदीव में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया। करीब 50 मिनट तक चले समारोह के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत मालदीव की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और मुइज्जू के साथ उनकी बातचीत द्विपक्षीय संबंधों के लिए अहम साबित होगी। पीएम मोदी ने मालदीव के लोगों और सरकार को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई भी दीं। मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के बीच गहरी साझेदारी है जो आपसी सम्मान, साझा मूल्यों और सांस्कृतिक एवं आर्थिक आदान-प्रदान के लंबे इतिहास पर आधारित है। उन्होंने एक्स पर कहा कि हमारे संबंध लगातार आगे बढ़ रहे हैं, जो लोगों के बीच आपसी संपर्क और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग से आकार ले रहे हैं। पीएम मोदी की मालदीव यात्रा को तनाव के दौर के बाद द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने मालदीव के लिए 4,850 करोड़ रुपए की ऋण सुविधा देने की घोषणा की थी और जल्द ही एक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की थी।

बिहार में एसआईआर का पहला चरण पूरा, 65 लाख मतदाताओं के कटेंगे नाम

7.90 करोड़ में से 7.23 करोड़ के फॉर्म हुए जमा, डिजिटल रूप से किया अपलोड

पटना। चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का पहला चरण शनिवार को पूरा हो गया। पुनरीक्षण को लेकर बीएलओ या आम मतदाताओं द्वारा ऑनलाइन गणना फॉर्म अपलोड किए जाने को लेकर चुनाव आयोग का विंडो ईसीआई नेट बंद कर दिया गया है। बिहार में 24 जून से 26 जुलाई तक एसआईआर का पहला चरण पूरा हो गया है। इसमें चुनाव मशीनरी के साथ 12 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों एवं नगर निकाय के कर्मियों एवं अन्य लोगों का सहयोग लिया गया। चुनाव आयोग के मुताबिक शुक्रवार तक बीएलओ एवं बीएलए की रिपोर्ट के तहत 65.2 लाख मतदाताओं के नाम कटने तय हैं। बिहार के 99.8 फीसदी मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण में शामिल हुए। राज्य में 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 7.23 करोड़ के फॉर्म जमा हो चुके हैं और इन्हें डिजिटल रूप से अपलोड किया जा चुका है। इन सभी 7.23 करोड़ मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक एसआईआर के पहले चरण का कार्य पूरा होने के बाद प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन की तैयारी शुरू हो गई है। इसके तहत कंट्रोल टेबुल पर स्थित आंकड़ों को अपडेट किया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों से सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

10 अगस्त को होगा भोपाल की सीमा के पास विशाल रेल कोच निर्माण इकाई का भूमि पूजन

- भोपाल की बसाहट के पास बना रातापानी अभयारण विश्व में अनूठा
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मन की बात कार्यक्रम का भोपाल में श्रवण किया
- स्थानीय रहवासियों के साथ लगाया बरगद का पौधा
- भोपाल के वार्ड 50 स्थित गुलमोहर कालोनी में हुआ कार्यक्रम

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रमन की बातर कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड के ऐतिहासिक किलों की विशिष्टता और भोपाल की स्वच्छता के प्रति जागरूक महिलाओं की सराहना कर उत्साहवर्धन और प्रेरणा प्रदान करना दिव्य ऊर्जा और नवसंकल्प से अभिभूत करता है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जन-जन की शक्ति को राष्ट्र के नव निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। **प्रधानमंत्री श्री मोदी शौर्य और सामर्थ्य के प्रतिरूप-** प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर में बड़ी सफलता मिली, कारगिल विजय दिवस भी हमारी सेना के शौर्य के स्मरण का महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन-जन को समर्थ बनाने के लिए राज्य सरकार रोजगार और स्वावलंबन की दिशा में कार्य कर रही है। मेहनतकश लोगों के लिए उद्योगों के रूप में मंदिर बनाने का क्रम राज्य में निरंतर जारी है। **10 अगस्त को रेल कोच फैक्ट्री का भूमि-पूजन-** भोपाल की सीमा के पास रायसेन में विशाल रेल कोच निर्माण इकाई का भूमिपूजन 10 अगस्त को होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को रमन की बातर के 124वें संस्करण का भोपाल के वार्ड क्रमांक 50 स्थित शील पब्लिक स्कूल में स्थानीय रहवासियों के साथ श्रवण करने के बाद यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर स्थानीय रहवासियों के साथ बरगद का पौधा भी रोपा। **भोपाल की सकारात्मक सोच-** प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा किर भोपाल की एक टीम का नाम 'सकारात्मक सोच' है, इसमें 200 महिलाएं हैं। ये सिर्फ सफाई नहीं करती, सोच भी बदलती हैं। एक साथ मिलकर शहर के 17 पार्कों की सफाई करना, कपड़े के थैले बाँटना, इनका हर कदम एक संदेश है। ऐसे प्रयासों की वजह से ही भोपाल भी अब स्वच्छ सर्वेक्षण में काफी आगे आ गया है। साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि रबुन्देलखंड में ऐसे कई किले हैं, ग्वालियर, झांसी, दतिया, अजयगढ़, गढ़कुंडार, चंदेरी। ये किले सिर्फ ईंट-पत्थर के नहीं हैं, ये हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं। संस्कार और स्वाभिमान, आज भी इन किलों की ऊंची-ऊंची दीवारों से झांकते हैं। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूँ कि इन किलों की यात्रा करें, अपने इतिहास को जानें, गौरव महसूस करें। **मन की बात देशवासियों से सीधा संवाद-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मन की बात कार्यक्रम सुनने के लिए एकत्र हुए स्थानीय रहवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम, देशवासियों से सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन गया है और इससे देशभर की प्रेरणादायक जानकारियां मिलती हैं, जो राष्ट्र निर्माण के मार्ग में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। असम के काजीरंगा पार्क में हो रही पक्षियों की गणना हो या गुप्त गोदावरी में चल रहा स्वच्छता अभियान, मन की बात कार्यक्रम से जनता की इस तरह की पहल से पूरा देश अवगत होता है। **जियो और जीने दो की संस्कृति-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल ने स्वच्छता में रैंकिंग से जो अपनी पहचान बनाई है उसके लिए भोपाल वासी बधाई के पात्र हैं। भोपाल के रातापानी अभयारण को डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर नाम दिया गया है, यह अभयारण अपने आप में विशिष्टता लिए हुए हैं। नगरीय बसाहट के 15 किलोमीटर दूरी पर टाइगर अभयारण होना विश्व में अनूठा है। यह 'जियो और जीने दो' की संस्कृति व वन्य प्राणी और मनुष्य के सह अस्तित्व की भावना का जीवंत उदाहरण है। यह बताता है कि हम समूची पृथ्वी को एक कुटुंब की तरह देखते हैं और प्रकृति के साथ परमात्मा को जोड़ते हुए रवसुधैव कुटुम्बकमर के भाव का पालन करते हैं। **बहनों को रक्षाबंधन पर शगुन-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन का महीना रक्षाबंधन का त्योहार लेकर आता है। राज्य सरकार ने इस अवसर पर लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने के लिए अतिरिक्त रूप से 250 रुपए की राशि बहनों को शगुन के रूप में देने का निर्णय लिया है। प्रदेश की एक करोड़ 29 लाख बहनों के खाते में यह राशि डाली जाएगी। भारतीय संस्कृति में विद्यमान त्योहारों की परंपरा जीवन को सकारात्मक व आनंददाई बनाते हुए परिवार परंपरा को सशक्त करती है। हमारी संस्कृति मातृ प्रधान संस्कृति है, हम सृष्टि में भी माता का रूप देखते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की सावन माह का प्रत्येक दिन, रक्षाबंधन के भाव से मनाया जाए। हमारे त्यौहार सामाजिक समरसता का प्रतीक है, इन्हें इसी भाव से मनाना चाहिए। इसीलिए सभी त्यौहारों को राज्य सरकार के माध्यम से मनाने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की माहेश्वरी और चंदेरी साड़ियों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए भी बहन-बेटियों को प्रेरित किया। **पर्यटन समिट में 3000 करोड़ का निवेश-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर इन्वेस्टर समिट का क्रम निरंतर जारी है। शनिवार को रीवा में हुई पर्यटन समिट में 3000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। रोजगार आधारित उद्योग लगाने पर राज्य सरकार, उद्योग समूहों को विशेष सहायता उपलब्ध करा रही है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र यति, सामाजिक कार्यकर्ता श्री राहुल कोठारी, गुलमोहर रहवासी संघ के पदाधिकारी तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

अग्निवीर वायु प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करवाने एसजीएसयू की स्कोप डिफेंस एकेडमी 28 जुलाई से शुरू कर रही प्रशिक्षण बैच

दैनिक भेल पॉवर

इंडियन एयर फोर्स में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं को सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) के अंतर्गत स्कोप डिफेंस एकेडमी द्वारा 8 सप्ताहीय प्रशिक्षण बैच की शुरूआत 28 जुलाई से की जा रही है जिसमें लिखित परीक्षा और शारीरिक परीक्षण Physical Test की पूरी तैयारी कराई जाएगी। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत पूर्व सैन्य अधिकारियों के मार्गदर्शन में अनुशासन, नेतृत्व और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारतीय वायुसेना और थलसेना के अनुभवी अधिकारी अग्निवीर वायु, एनडीए, सीडीएस, एफकैट, एसएसबी इत्यादि डिफेंस परीक्षाओं के लिए तैयार में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। साथ ही सैनिकों व पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए विशेष छूट प्रदान की जा रही है। इसमें मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त, थलसेना), कर्नल के.पी. सिंह (सेवानिवृत्त, थलसेना), कैप्टन आर.एम.एल. सोमल (सेवानिवृत्त, भारतीय नौसेना), वैज्ञानिक श्री रमेश चंद्रा (मनोवैज्ञानिक), विंग कमांडर मनीष मिश्रा (सेवानिवृत्त, वायुसेना), विंग कमांडर अरुण पांडे (सेवानिवृत्त, वायुसेना), लेफ्टिनेंट कमांडर दीपिका सिंह (सेवानिवृत्त) सहित अन्य अनुभवी सैन्य प्रशिक्षकों की विशिष्ट टीम शामिल है।

इस पहल पर मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव (से.नि. थलसेना) ने कहा, रस्कोप डिफेन्स अकादमी में हम ऐसा प्रशिक्षण दे रहे हैं जो बिल्कुल सेना की वास्तविक ट्रेनिंग की तरह है – चाहे वह अनुशासन हो, फिजिकल फिटनेस हो या इंटरव्यू की तैयारी। हमारा उद्देश्य केवल युवाओं को परीक्षा पास कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि हम उन्हें एक ऐसा व्यक्तित्व देने की ओर अग्रसर हैं जो राष्ट्रसेवा के लिए तैयार हो, आत्मविश्वासी हो और जीवन भर अनुशासित रहे।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहाः रस्कोप डिफेन्स अकादमी केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं के भीतर सेवा, साहस और नेतृत्व जैसे गुणों का निर्माण करने का एक संकल्प है। हम ऐसी प्रशिक्षण प्रणाली दे रहे हैं, जो युवाओं को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से उस स्तर पर तैयार करती है, जहाँ वे सेना जैसी चुनौतीपूर्ण सेवाओं के लिए आत्मविश्वास के साथ खड़े हो सकें।

इस अवसर पर कुलगुरू डॉ. विजय सिंह एवं कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि एसजीएसयू का विजन है – अनुशासन से व्यक्तित्व का निर्माण और उस व्यक्तित्व से राष्ट्र की रक्षा। हमारा सपना है कि हर युवा में एक सच्चे सैनिक की भावना जागे, जो राष्ट्र सेवा को केवल नौकरी नहीं, अपना कर्तव्य समझे।

नशे के खिलाफ सिटी थाने में हस्ताक्षर अभियान शुरू

दैनिक भेल पॉवर

इटारसी। पूरे प्रदेश में नशे के खिलाफ पुलिस विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। सिटी पुलिस द्वारा भी इटारसी में लोगों को नशा नहीं करने की समझाइश दी जा रही है। टीआई गौरव सिंह बुंदेला अपनी टीम के साथ शहर में लोगों को नशा नहीं करने की सलाह एवं इसके दुष्परिणाम के बारे में जागरूक कर रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत शनिवार को सिटी थाने में नशे के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया है।बोर्ड पर पुलिस द्वारा हस्ताक्षर कराकर लोगों को नशा छोड़ने की शपथ दिलाई जा रही है।सिटी थाने में आने वाले शहर के लोगों से पहले नशा छोड़ने के लिये हस्ताक्षर कराये जा रहे है।आज भी बहुत से लोगों ने हस्ताक्षर कर नशा छोड़ने की शपथ ली।और दूसरों को भी नशा नही करने के लिये जागरूक करने की शपथ ली।इस अवसर पर टीआई गौरव सिंह बुंदेला एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

चिंतामन गणेश मंदिर के पुजारी को धमकाने का मामला, प्रकरण दर्ज

कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर साधा निशाना

सीहोर। जिले के चिंतामन गणेश मंदिर के पुजारी को धमकाने का मामला सामने आया है। मंदिर के अंदर एक व्यक्ति धारदार हथियार लेकर पहुंचा और पुजारी को मारने का प्रयास किया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो को कांग्रेस ने मोहन सरकार पर निशाना भी साधा है तो वहीं मण्डी थाना पुलिस ने आवेदन के आधार पर प्रकरण दर्ज किया है। वायरल वीडियो सफेद कुर्ता पजामा पहने एक व्यक्ति चिंतामन गणेश मंदिर इस विवाद के दौरान गाली भी सुनाई दे रही है। हाथ में धारदार हथियार बका भी है। इस दौरान काले कपड़े पहने एक व्यक्ति बीच बचाव करने का प्रयास कर रहे है। सफेद कुर्ता पायजामा पहने व्यक्ति ने दो बार बीच बचाव कर रहे व्यक्ति को भी दो बार मुंह पर हाथ रख दूर कर दिया। इस दौरान धारदार बका उठाकर पुजारी को डराने का भी प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस बोली शर्मनाक, ये रिश्तेदारी राज नहीं चलेगा- वायरल वीडियो को लेकर पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल ने सोशल मीडिया के फेसबुक अकाउंट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि प्रसिद्ध प्राचीन गणेश मंदिर, सीहोर में खुलेआम पंडित पृथ्वीवल्लभ दुबे जी के सुपुत्र जय दुबे जी पर महेश यादव नामक व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया। सबसे शर्मनाक बात : आरोपी खुद को मुख्यमंत्री मोहन यादव का रिश्तेदार बताता है। क्या अब मंदिर भी सुरक्षित नहीं? क्या मुख्यमंत्री के नाम पर अपराधियों को खुली छूट है? क्या अब अपराधियों के लिए रिश्तेदारी ही कानून बन गई है.? ये है मोहन सरकार का जंगलराज, जहां, गुंडे सीएम के नाम की ढाल लेकर हमला करते हैं. आम नागरिक मंदिर में भी असुरिक्षत हैं। सत्ता से नजदीक - कानून से ऊपर? पुलिस ने मामला किया दर्ज- गणेश मंदिर के पुजारी जयेंद्र से मिले आवेदन पत्र के आधार पर महेश यादव के विरुत्र अपराध धारा 396, 351(2) बीएनएस 25 शस्त्र अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर आरोपी महेश यादव को गिरफ्तार किया है। पैसे देने से पलट गया पुजारी परिवार- इधर मामले में मंडी थाना पुलिस ने आरोपी महेश यादव के खिलाफ दोनों पुजारियों के बीच गणेश मंदिर को लेकर न्यायालय में चल रहे मामले में मेरे पापा (महेश यादव) ने पंडित पृथ्वीवल्लभ दुबे की मदद की थी, राशि (करीब 20 लाख) रुपए भी खर्च किए गए थे। चार पांच साल से यह राशि नहीं दी गई है। राशि मांगने पर विवाद करते हैं। वायरल वीडियो में भी पैसे के लेन देने की आवाज आ रही है।

पिंटू बना करणी सेना परिवार के जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

दैनिक भेल पॉवर

राजगढ़। देश के सबसे बड़े सामाजिक संगठन करणी सेना परिवार टीम जीवन सिंह शेरपुर जो मध्य प्रदेश में सबसे सक्रिय एवं सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है जो नरसिंहगढ़ तहसील में भी पिछले दस वर्षों से अपनी पकड़ बनाते हुए मजबूती से आगे बढ रहा है। संगठन में अभी हरदा घटना के विरोध में जन जागरण अभियान चल रहा है इसमें गांव गांव में जा कर आम जनता को हरदा में हुई बर्बरता एवं सत्यता के बारे में बताया जा रहा है इस हेतु संगठन विस्तार एवं पदोन्नतिया पूरे प्रदेश सहित जिले में भी की जा रही है इसी कड़ी में कुंवर नरेंद्र सिंह जी हाडा ठिकाना संवासी जागीर पिंटू बना कुरावर को पदोन्नति करते हुए जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया उनकी नियुक्ति पर करणी सैनिकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

रायसेन के बेगमगंज में शनिवार को स्कूल बस के ऊपर से निकल रहे बिजली के तार के संबंध में बिजली वितरण कंपनी ने दिया जवाब

दैनिक भेल पॉवर

रायसेन। बिजली वितरण कंपनी के जनरल मैनेजर प्रदीप सिंह चौहान ने आज बताया कि बेगमगंज सेंट थॉमस स्कूल के पास में जो बस बच्चों को लेकर के जा रही थी एवं बिजली तार चपेट में आने के संबंध में जो खबर प्रकाशित की जा रही है। वह खबर भ्रामक और तथ्यों से परे है। उक्त संबंध में डीजीएम फ्रंरील्ल के द्वारा प्रेषित जांच प्रतिवेदन में अवगत कराया हैं। स्कूल बस ना होकर वोह स्लीपर कोच बस है जो तार बस के ऊपर से हटाए जाने हेतु खबर में हटाते हुए दिखाए जा रहे हैं वह तार बिजली के तार ना होकर इंटरनेट केबल के तार हैं , HT लाइन के तार पूर्व से ही सुरक्षात्मक मानक दूरी पर विद्यमान थे और HT लाइन चार्ज थीं संलग्न फोटो विडियो क्लिप में स्पष्ट है। इंटरनेट केबल के साथ में जो छळ अइ केवल पास से निकल रही है केबल मानक ऊंचाई पर थी परंतु उसको और ऊंचा कर दिया गया है।

मन की बात कार्यक्रम में ग्रामीणों का उत्साह देख बोले अजय जमवाल – यह है नए भारत की तस्वीर

खरवई में मन की बात कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब, संगठन महामंत्री अजय जामवाल हुए अभिभूत

दैनिक भेल पॉवर

सत्येंद्र जोशी रायसेन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रभाव सांची विधानसभा के ग्रामीण अंचलों में भी गहराई से देखा गया। इसी क्रम में रविवार को सांची विधानसभा के खरवई मंडल के बूथ क्रमांक 88 पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने स्थानीय नागरिकों के साथ बैठकर रमन की बात सुनी। कार्यक्रम के उपरांत श्री जामवाल ने आमजन और कार्यकताओं से भेंट कर उनके उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के कोने-कोने में जनसंवाद का सशक्त माध्यम है। आज महिलाओं और ग्रामीण नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखकर यह स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री जी का संदेश हर दिल तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राकेश शर्मा ने श्री जामवाल का स्वागत करते हुए उन्हें बूथ स्तर के कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों से मिलवाया। प्रदेश मंत्री श्री लोकेन्द्र पाराशर, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, सांची विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीना, मंडल प्रभारी श्री राकेश तोमर, बूथ अध्यक्ष श्री मनपूर्ण राय, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हरि साहू और मीडिया विभाग से श्री सी.एल. गौर सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा उत्साहपूर्वक शामिल हुए। वक्ताओं ने रमन की बात के प्रेरणादायक विचारों को जनसेवा की दिशा में उपयोगी बताते हुए इसे राष्ट्र निर्माण की चेतना का स्रोत कहा।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने साकेत नगर में किया पौधरोपण

स्थानीय पार्षद श्री सुरेन्द्र बाड़िका द्वारा आयोजित

- ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत किया पौधरोपण

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने साकेत नगर में वार्ड क्र. 57 के पार्षद श्री सुरेन्द्र बाड़िका की उपस्थिति में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस मौके पर स्थानीय रहवासियों ने भी पौधे रोपित किये। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष श्री नीरज सिंह, पार्षद श्रीमती अर्चना परमार, पूर्व पार्षद श्री टी.आर.मिश्रा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद थे। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शनिवार को वार्ड क्र. 57 के अंतर्गत साकेत नगर 2ए स्थित शंकराचार्य पार्क में हरियाली तीज महोत्सव के उपलक्ष्य में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत पौधरोपण किया। पौधरोपण कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद सहित साकेत नगर के रहवासियों ने भी पार्क में एक-एक पौधा अपनी माँ के नाम रोपित किये।

नगरीय विकास की क्लासः नगर अध्यक्षों ने सीखा स्मार्ट गवर्नेंस का फॉर्मूला

दैनिक भेल पॉवर

इटारसी। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने नगर निकायों के अध्यक्षों के लिए एक ऐसा प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसने उनकी सोच और दृष्टिकोण दोनों को नया आयाम दिया। प्रदेश के भोपाल, नर्मदापुरम और सागर संभाग के 35 नगरपालिका अध्यक्ष हाल ही में कर्नाटक के सुंदर और सुव्यवस्थित शहर मैसूर पहुंचे, जहां उन्हें नगरीय विकास, राजस्व प्रबंधन और नागरिक सेवाओं की नई तकनीकों से रूबरू कराया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगर प्रबंध संस्थान के सहयोग से किया गया। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण में जन-प्रतिनिधियों ने न केवल थ्योरी में ज्ञान अर्जित किया, बल्कि मैसूर नगर निगम की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन भी किया। इटारसी नगरपालिका के अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा मैसूर नगर निगम की पेपरलेस व्यवस्था की रही। वर्ष 2013 से ही पूरी तरह डिजिटल हो चुका यह निकाय, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर टैक्स भुगतान तक की सारी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराता है। श्री चौरे ने बताया कि वहां के नागरिक अपने मोबाइल पर ही देख सकते हैं कि उनका कितना टैक्स बाकी है और कितना जमा हो चुका है। **टैक्स वसूली में स्पर्धा का तरीका** - मैसूर मॉडल में टैक्स वसूली को बेहतर बनाने के लिए नवाचार किया गया है। यहां टैक्स वसूली कर्मचारियों के बीच प्रतियोगिता के रूप में कराई जाती है, जिसमें सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार भी मिलता है। इससे टैक्स संग्रहण में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा दोनों बनी रहती है। **15वें वित्त की रकम तभी मिलेगी, जब ऑनलाइन विवरण होगा-** श्री चौरे ने बताया कि प्रशिक्षण में यह भी सिखाया गया कि 15वें वित्त आयोग की राशि तभी जारी की जाएगी, जब निकाय ऑनलाइन पोर्टल पर यह बताएंगे कि पैसे का उपयोग कहां और कैसे किया गया है। साथ ही, 16वें वित्त की आगामी गाइडलाइन्स से भी अवगत कराया गया। **प्रशिक्षण का फोकसः जीवन स्तर, टैक्ससेन और रोजगार-** नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि इस प्रशिक्षण में तीन मुख्य विषयों पर विशेष फोकस किया गया झ नगरीय नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार, टैक्ससेन यानी टैक्स प्रबंधन, और नगरीय स्तर पर रोजगार सृजन। चौरे ने आगे कहा, ह्लमैसूर में जो सीखा गया है, उसे अपने शहर में जरूर लागू किया जाएगा। डिजिटल गवर्नेंस और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में यह अनुभव अत्यंत उपयोगी रहेगा।

मूकबधिर बहन के हाथों में मृत पिता की तस्वीर देख विचिलत हुआ युवक, किया कृत्य

हनुमान मंदिर में प्रतिमा खंडित किए जाने का मामला

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। शनिवार शाहगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सुदोन में हनुमान मंदिर की मूर्ति खंडित होने की सूचना से हडकंप मच गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। कुछ ही समय बाद पुलिस ने ग्राम सुदोन के 20 वर्षीय विशाल भलावी को इस कृत्य के आरोप में हिरासत में ले लिया गया। थाना प्रभारी दिनेश चौहान ने बताया कि यह घटना मानसिक तनाव का दुखद परिणाम है। लगभग एक माह पहले विशाल के पिता का निधन हो गया था, जिसके बाद से वह गहरे सदमे में था। विशाल अपने पिता के साथ नियमित रूप से हनुमान जी की पूजा करता था। पिता की मौत के बाद से वह मानसिक रूप से प्रताड़ित नजर आ रहा था। बताया जाता है कि घटना वाले दिन आरोपी युवक ने अपनी मूकबधिर बहन के हाथों में अपने मृत पिता की तस्वीर देखी एवं बहन का चेहरा रुदन नजर आया, जिससे वह विचलित हो गया और उसने यह कृत्य कर दिया। इधर घटना के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार किया हैं।

2 शातिर चोरों को कोतवाली पुलिस ने दबोचा, 3 लाख की ज्वेलरी एवं घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार बरामद

दैनिक भेल पॉवर

सत्येंद्र जोशी रायसेन । चोर कितने ही शातिर क्यों ना हो पर पुलिस के हफ्ते चढ़ ही जाते हैं। एसपी पंकज कुमार पांडे की शानदार मॉनेटरिंग का ही परिणाम है कि पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए न सिर्फ चोरों को पकड़ा है। बल्कि स्विफ्ट कर भी जप्त की है। **घटना का विवरण-** दिनांक 20/07/2025 की रात्रि में फरियादी के वीआईपी कॉलोनी स्थित घर में अज्ञात चोरों द्वारा सेंधमारी कर सोने के जेवरात एवं 12,000/- नगद की चोरी की गई थी। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली रायसेन में अपराध क्रमांक /25, धारा 331(4), 305() बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। **तत्काल व त्वरित कार्यवाही** -पुलिस अधीक्षक रायसेन श्री पंकज कुमार पाण्डेय के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार खरपुसे एवं एसडीओपी रायसेन श्रीमति प्रतिभा शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक श्री नरेन्द्र गोयल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा सैकड़ों स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, वैज्ञानिक व तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर गहन विश्लेषण किया गया। तत्पश्चात निम्नलिखित तीन शातिर चोरों को चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया– **गिरफ्तार आरोपी-** (1) अंकित गुजरे पिता बाबू गुजरे (2) पंकज लोधी पिता मलखान सिंह लोधी आरोपियों के पूर्व आपराधिक रिकर्ड 1. अपराध क्रमांक 798/21 धारा 392 IPC मिशरोद 2. अपराध क्रमांक 226/22 धारा 392 अयोध्या नगर 3. अपराध क्रमांक 846/21 धारा 379 बागसेवनिया 4.अपराध क्रमांक 286/20 धारा 380,457 बागसेवनिया 5. अपराध क्रमांक 731/21 धारा 380,457 शाहपुरा 6. अपराध क्रमांक 40/20 धारा 379 ipc बागसेवनिया 7. अपराध क्रमांक 424/22 धारा 380,414,457,34 IPC अयोध्या नगर 8. अपराध क्रमांक 79/20 धारा 379 IPC बागसेवनिया 9. अपराध क्रमांक 418/22 धारा 380,457 IPC अयोध्या नगर 10. अपराध क्रमांक 153/20 धारा 379 IPC बागसेवनिया 11. अपराध क्रमांक 173/24 धारा 305(Ô),331(4) BNS चूना भट्टी 12. अपराध क्रमांक 126/23 धारा 380,457 IPC चूना भट्टी 13. अपराध क्रमांक 427/22 धारा 380,457 अयोध्या नगर 14. अपराध क्रमांक 414/24 धारा 305(),331(4) इठर हबीबगंज 15. अपराध क्रमांक 121/20 धारा 380,457 IPC बागसेवनिया 16. अपराध क्रमांक 214/19 धारा 380 IPC बागसेवनिया 17. अपराध क्रमांक 413/24 धारा 305(Ô), 331(4) इठर हबीबगंज 18. अपराध क्रमांक 830/21 धारा 380,457 IPC बागसेवनिया 19. अपराध क्रमांक 721/21 धारा 380,457 IPC मिशरोद 20. अपराध क्रमांक 184/20 धारा 379,473 IPC बागसेवनिया 21. अपराध क्रमांक 1016/20 धारा 379 IPC हबीबगंज 22. अपराध क्रमांक 227/20 धारा 380 IPC बागसेवनिया 23. अपराध क्रमांक 196/20 धारा 380,457 IPC मिशरोद 24. अपराध क्रमांक 746/18 धारा 379 हबीबगंज 25. अपराध क्रमांक 317/24 धारा 305(Ô),331(4) इठर बागसेवनिया 26. अपराध क्रमांक 766/21 धारा 457 मिशरोद 27.अपराध क्रमांक 345/20 धारा 401 बागसेवनिया पंकज लोधी पिता मलखान सिंह लोधी उम्र19 साल नि० ग्राम छावनी पठार, थाना विलखिरिया जिला भोपाल (म०प्र०) 1. अपराध क्रमांक 115/23 धारा 457 IPC अवधपुरी 2. अपराध क्रमांक 112/23 धारा 457,380 IPC अवधपुरी 3. अपराध क्रमांक 418/23 धारा 454,380 IPC पिपलानी 4. अपराध क्रमांक 123/23 धारा 457,380 IPC अवधपुरी 5. अपराध क्रमांक 158/24 धारा 457,380 IPC अयोध्यानगर 6. अपराध क्रमांक 148/24 धारा 457 IPC अयोध्यानगर जप्त संपत्ति सोने-चाँदी के आभूषण (अनुमानित कीमत 3,00,000/-) घटना में प्रयुक्त एक स्विफ्ट कार 12,000/- नगद राशि प्रशंसनीय कार्यवाही में सम्मिलित पुलिस टीम : sdop श्रीमति प्रतिभा शर्मा, निरीक्षक नरेन्द्र गोयल, उप निरीक्षक शैलेन्द्र दायमा, उप निरीक्षक शेरसिंह सुल्या, उप निरीक्षक सागर हरफोरे,सउनि दुर्गेश मंसूरिया, सउनि सुरेन्द्र सिंह,प्र.आर. सचिन शर्मा आरक्षक शशांक दीक्षित, आर नीरज कटियार, आर सचिन, आर शुभम।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भव्य तैयारीः लक्ष्मण यादव बने चल समारोह अध्यक्ष

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। इस साल की भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को और भी भव्य बनाने के लिए सर्व यादव समाज ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। रविवार को ग्वालटोली धर्मशाला में आयोजित एक बैठक में सर्वसम्मति से लक्ष्मण यादव को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी चल समारोह का अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष चुने जाने पर लक्ष्मण यादव ने समाजजनों का आभार व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि वह इस जिम्मेदारी को पूरी सक्रियता से निभाएंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा और नगर में निकलने वाले चल समारोह में आकर्षक झांकियां, अखाड़ा, घोड़े, बग्गी, प्रसिद्ध ढोल, बैंड, डीजे और शानदार आतिशबाजी मुख्य आकर्षण होंगे। बैठक में यादव समाज अध्यक्ष गोपाल पहलवान, मन्नुलाल यादव सहित समाज के कई वरिष्ठजन और युवा साथी मौजूद रहे। सभी ने लक्ष्मण यादव को इस महत्वपूर्ण पद के लिए बधाई दी।

पत्रकारों द्वारा छह सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक मोहन शर्मा को सौंपा ज्ञापन

दैनिक भेल पॉवर

नरसिंहगढ़। नगर के पत्रकारों द्वारा चिड़िखों अभ्यारण क्षेत्र में आयोजित बैठक के दौरान विधायक मोहन शर्मा को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें पत्रकारों द्वारा सिटी डिस्पेंसरी को पत्रकार भवन हेतु आवंटित करने तथा 23/24 मार्च को मुरैना में आयोजित मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार के सम्मेलन में संघ के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदोरिया द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्रकार सुरक्षा कानून मालवीय नगर में पत्रकार भवन जैसी विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया था जिसमें श्रमजीवी पत्रकारो को पत्रकार भवन सौंपा जाने तथा पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने उत्तर प्रदेश सरकार की तरह पत्रकारों के लिए निशुल्क बीमा योजना लागू करने सहित अनेक मांगो का ज्ञापन सौंपा गया था जिस पर आज तक कोई विचार प्रदेश सरकार द्वारा नही किया गया है जिसको लेकर विधायक मोहन शर्मा से विधानसभा में इन मांगों पर मुख्यमंत्री का ध्यानाकर्षण कराने के लिए ज्ञापन सौंपा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मोहन शर्मा द्वारा उपस्थित पत्रकारों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि नगर में पत्रकारों के लिए ही भवन की व्यवस्था की जाएगी व 6 सूत्रीय मांगों को लेकर कहा कि मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का काम मेरा एक डाकिए की तरह जिसको मैं पूरी जवाबदारी के साथ निभाऊंगा आपकी मांगे भी रखूंगा। वही मोहन शर्मा ने आगे कहा कि आगामी 2 अगस्त को सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण हेतु बैठक का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है। पार्थिव शिवलिंग निर्माण का कार्यआम नागरिकों वा पत्रकारों के सहयोग से यह कार्य 29 अगस्त से 4 अक्टूबर के बीच संपन्न होने जा रहा है। इसमें आप सभी की सहभागिता जरुरी है। इस मौके पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के पूर्व संभागीय उपाध्यक्ष राधेश्याम मिश्रा पूर्व जिलाध्यक्ष कमल चोरसिया रमेश मालवीय ब्लॉक अध्यक्ष विजयपाल सिंह परमार कान्हा बना शिव प्रसाद वैध महेश त्रिवेदी रुपेश सिंह ठाकुर विवेक ठाकुर प्रणपाल सिंह खींची महेश त्रिवेदी कपिल वैध भगवान सिंह उमठ अनूप साहू संकल्प मिश्रा लोकेश साहू धर्मेंद्र सिंह पंवार शानू बना जितेंद्र वर्मा सुरेश नागर नीरज शर्मा प्रदीप शर्मा महेश शर्मा माधव सिंह जाधव संजय राठौर नितिन वर्मा प्रकाश साहू सूरज गुर्जर सत्यम शर्मा सुरेश दांगी कमलेश मेवाड़े मोनू शर्मा आनंद शर्मा डेविल रवि शर्मा आनंद वर्मा एवं भाजपा के मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह परमार दिनेश मंडलोई विधायक प्रतिनिधि सुदीप शर्मा सत्येंद्र राठौर भूपेंद्र सिंह भदोरिया सहित कई लोग उपस्थित थे।

कुबेरेश्वरधाम में आस्था का संगम, लेकिन कांवड़ बिक्री पर मुनाफे की जंग

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। सावन के पावन माह में कुबेरेश्वरधाम देशभर के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। रविवार को यहां सवा लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ का अभिषेक किया। शहर के सीवन घाट से सुबह निकली कुबेरेश्वरधाम परिवार की कांवड़ यात्रा में हजारों भक्त शामिल हुए। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कांवडि?ों का सम्मान करते हुए कहा, कांवड़ यात्रा में आपके पैर नहीं, आपका विश्वास चलता है। उन्होंने डाक कांवड़ यात्रा को धर्म के पथिकों की दौड़ बताया, जिसमें बिना रुके शिव तक पहुंचने की अदम्य भक्ति होती है। हालांकि आस्था के इस महासंगम के बीच कांवड़ बिक्री को लेकर एक अजीबोगरीब स्थिति सामने आ रही है। शहर के दुकानदारों ने 31 रुपये (16 रुपये के दो डिब्बे, 10 रुपये डंडा, 5 रुपये सजावट) में कांवड़ तैयार कर 50 रुपये में बेच रहे हैं। वहीं, कुबेरेश्वरधाम पर समिति के कुछ सदस्यों पर आरोप है कि वे चढ़ाई गई कांवड़ों को एकत्रित कर अपने परिचित दुकानदारों को 10-15 रुपये में थोक में बेच रहे हैं। ये ह्यपरिचित दुकानदारह्ल फिर इन उपयोग की गई कांवड़ों को 20-25 रुपये में बेच रहे हैं। नतीजा यह हो रहा है कि श्रद्धालु कम दाम में मिल रही इन सस्ती उपयोग की गई कांवड़ों को खरीद रहे हैं, जिससे शहर के स्थानीय दुकानदारों की कांवड़ नहीं बिक रही हैं और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। आस्था के पर्व पर मुनाफाखोरी ने शहर के दुकानदारों को चिंता में ला दिया है।

मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ की बैठक में मनोज गुप्ता अध्यक्ष बने

दैनिक भेल पॉवर

आज भोपाल में म.प्र. सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ की बैठक आयोजित हुई, जिसमें अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक (संयुक्त आयुक्त, सहकारिता) श्री मनोज गुप्ता को संघ का अध्यक्ष चुना गया , जबकि अधिकारी संघ के संरक्षक सेवानिवृत्त अपर आयुक्त श्री अरुण माथुर, श्री ब्रजेश शरण शुक्ल व श्री पी.एस. तिवारी की उपस्थिति में सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें संयुक्त आयुक्तद्वय श्रीमती अरुणा दुबे एवं महेंद्र दीक्षित को उपाध्यक्ष संयुक्त आयुक्त श्री के.के.द्विवेदी को जनरल सेक्रेटरी श्री आरएस विश्वकर्मा, उपायुक्त को कोषाध्यक्ष जबकि संयुक्त सचिव श्रीमती श्वेता रावत, उपायुक्त एवं अरविंद बौद्ध सहायक आयुक्त को सर्वसम्मिति से मनोनीत हुये।

श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय में हुआ व्यास पूजन कार्यक्रम

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय शिक्षण मंडल, मध्य भारत प्रांत जिला सिद्धपुर के तत्वावधान में व्यास पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में कौशल प्रताप सिंह क्षेत्र संगठन मंत्री तथा प्रो. रोहिताश्व कुमार शर्मा प्राचार्य पीजी कॉलेज उपस्थित रहे। कार्यक्रम संस्था के कुलगुरु डॉ. मुकेश तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कुलगुरू डॉ. हेमंत शर्मा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि परीक्षा नियंत्रक डॉ. संजय राठौर ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और महर्षि वेद व्यास के पूजन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत भारतीय संस्कृति के प्रतीक तुलसी के पौधे भेंट कर किया गया, जो पवित्रता और पर्यावरण चेतना का संदेश देते हैं। मुख्य वक्ता कौशल प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में महर्षि वेदव्यास के भारतीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित करने में दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से गुरु-शिष्य परंपरा का पालन करने और ज्ञान को सदैव सम्मान देने का आग्रह किया। विशेष वक्ता प्रो. रोहिताश्व कुमार शर्मा ने कहा कि व्यास पूजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह उस महान परंपरा का स्मरण है, जिसने भारत को विश्व गुरु बनाया। कार्यक्रम में डॉ. ओम प्रकाश परमार, डॉ. गोविंद मसूरे, डॉ. मनोज शर्मा, शोभा चांडक, राजेश पाठक, रवि राठौर सहित संस्था के शिक्षकगण और छात्र.छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंच संचालन अंकित जोशी ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. गार्गी सिंह द्वारा किया गया।

हरियाली महोत्सवः वीआईटी प्रबंधन ने रोपे तीन हजार पौधे

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने भव्य वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। इस पहल के तहत विश्वविद्यालय परिसर में कुल तीन हजार पौधे लगाए गए, जिसमें 500 से अधिक स्वयंसेवकों ने सक्रिय भाग लिया। आयोजन में मध्य प्रदेश वन विभाग से अर्चना पटेल (डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सुश्री पटेल ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के महत्व पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव केके नायर के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में आम, नीम, बरगद, पीपल जैसे विभिन्न प्रकार के वृक्षों का रोपण किया गया। छात्रों ने इस दौरान अपनी जिम्मेदारी और एकता का परिचय दिया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. विनोद भट्ट, डॉ. देवव्रत गुप्ता और डॉ. पूजा वर्मा के मार्गदर्शन में यह अभियान सफल रहा, जिसने पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री आतिफ अकील व महापौर श्रीमती मालती राय ने बैरसिया रोड व दवा बाजार में किया विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन

बैरसिया रोड पर चौकसे नगर में 33 लाख रुपये की लागत से नाले की बाउंड्रीवॉल तथा 23 लाख 50 हजार रुपये की लागत से सार्वजनिक शौचालय का निर्माण होगा

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री आतिफ अकील व महापौर श्रीमती मालती राय ने पुराने शहर के बैरसिया रोड स्थित चौकसे नगर व नादरा बस स्टैंड पास स्थित दवा बाजार में जनसुविधा एवं विकास कार्यों हेतु विधिवत भूमिपूजन किए। नगर निगम द्वारा चौकसे नगर में नाले की बाउंड्रीवॉल का निर्माण तथा नादरा बस स्टैंड जे.के.बिल्डिंग परिसर स्थित दवा बाजार में सुलभ जनसुविधा केन्द्र का निर्माण कराया जा रहा है। भूमिपूजन अवसरों पर महापौर परिषद के सदस्य श्री मनोज राठौर, जोन अध्यक्ष श्रीमती पूजा शर्मा, पार्षद श्री मो.सरवर व श्री शैलेष साहू सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्य आदि मौजूद थे। सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री आतिफ अकील व महापौर श्रीमती मालती राय ने रविवार को नादरा बस स्टैंड के समीप जे.के.बिल्डिंग परिसर स्थित दवा बाजार में सुलभ जनसुविधा केन्द्र निर्माण हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत लगभग 23 लाख 50 हजार रुपये की लागत से सर्वसुविधायुक्त जनसुविधा केन्द्र का निर्माण कराया जा रहा है। इस जनसुविधा केन्द्र में पुरूषों, महिलाओं एवं दिव्यांगजन के लिए पृथक-पृथक शौचालय की व्यवस्था की जाएगी। दवा बाजार में जनसुविधा केन्द्र के निर्माण से दवा बाजार के व्यवसायियों व ग्राहकों को सुविधा होगी साथ ही शहर की स्वच्छता में भी वृद्धि होगी। इसके उपरांत सांसद श्री शर्मा, विधायक श्री आतिफ व महापौर श्रीमती राय बैरसिया रोड स्थित चौकसे नगर पहुंचे और यहां नाले की बाउंड्रीवॉल के निर्माण हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। नगर निगम, द्वारा लगभग 33 लाख रुपये की लागत से नाले की बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया जा रहा है। इस बाउंड्रीवॉल के निर्माण से इस बड़े नाले का बहाव सुव्यवस्थित होगा और जल ठहराव की स्थिति भी निर्मित नहीं होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ाया स्वच्छता के प्रति समर्पित भोपाल की महिलाओं का मान

महापौर श्रीमती मालती राय ने भोपाल को गौरवान्वित करने वाली सकारात्मक सोच संस्था की सदस्यों का किया सम्मान

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में भोपाल को स्वच्छता में नंबर
- दो पर आने तथा सकारात्मक सोच द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में भोपाल को स्वच्छता में निरंतर आगे बढ़ाने और भोपाल की स्वच्छता में सकारात्मक सोच संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना कर भोपाल में स्वच्छता के प्रति समर्पित महिलाओं का मान बढ़ाया है तथा सकारात्मक सोच संस्था की सदस्यों ने भोपाल को गौरवान्वित किया है। यह विचार महापौर श्रीमती मालती राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में सकारात्मक सोच संस्था का उल्लेख करने पर संस्था की सदस्यों के सम्मान कार्यक्रम में व्यक्त किये। इस मौके पर महापौर श्रीमती मालती राय ने भोपाल और भोपाल की स्वच्छता से संलग्न संस्था की सराहना करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार भी व्यक्त किया। सम्मान कार्यक्रम में महापौर परिषद के सदस्य श्री आर के सिंह बघेल, श्री रविंद्र यति, श्रीमती सुषमा बावीसा, जोन अध्यक्ष श्री राजेश चौकसे, पार्षद श्री जीतेन्द्र सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में सकारात्मक सोच की सदस्य और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में भोपाल को स्वच्छता में निरंतर आगे बढ़ाने और भोपाल की स्वच्छता में सकारात्मक सोच संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि भोपाल में एक टीम का नाम है सकारात्मक सोच, इसमें 200 महिलाएं हैं यह सिर्फ सफाई ही नहीं करती बल्कि सोच भी बदलने का कार्य करती है। एक साथ मिल कर शहर के 17 पार्कों की सफाई करना, कपड़े के थैले बांटना इनका हर कदम एक संदेश है। ऐसे प्रयासों की वजह से ही भोपाल भी अब स्वच्छ सर्वेक्षण में काफी आगे आ गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में भोपाल की स्वच्छता और स्वच्छता से संलग्न सकारात्मक सोच संस्था व उसके कार्यों का उल्लेख भोपालवासियों के लिए गौरव की बात है। महापौर श्रीमती मालती राय वार्ड क्र. 69 के बूथ क्र. 289 स्वामी विवेकानन्द पार्क अशोका गार्डन में मन की बात कार्यक्रम सुनने के तत्काल बाद जोन क्र. 15 के अंतर्गत वार्ड क्र. 68 सोनागिरी में मिलखा सिंह पार्क स्थित सकारात्मक सोच के कार्यालय पहुंची और सकारात्मक सोच संस्था की सदस्यों का सम्मान किया और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निश्चित ही सकारात्मक सोच की टीम के लगातार प्रयास आज सार्थक हुए है और आज का दिन पूरे शहर को गौरवान्वित करने वाला है। सम्मान कार्यक्रम में सकारात्मक सोच की श्रीमती अनीता शर्मा, श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती सोनाली देशपांडे, श्रीमती श्रद्धा माईंदे, श्रीमती शिखा शाह सहित अन्य सदस्यगण मौजूद थे।

आखिर कब समझेंगे हम प्रकृति की मूक भाषा?

इसका एक बड़ा कार । पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

डिजिटल भारत की शक्तिः आधार से एआई तक, एक परिवर्तनशील विकास गाथा

डॉ भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

एक डिजिटल लोक-क्रांति का उदय दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की भारत की उल्लेखनीय प्रगति ने वैश्विक स्तर पर न केवल प्रशंसा बटोरी है, बल्कि यह एक नए वैश्विक शक्ति-संतुलन की संभावनाओं को भी जन्म देती है। यह उपलब्धि भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के संकट और महामारीत्तर अर्थव्यवस्था की चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि में हासिल हुई है। यद्यपि यह विकास अनेक कारकों का परिणाम है, लेकिन एक ऐसा कारक जिसे अक्सर कम आंका जाता है–वह है भारत का अत्यंत सशक्त और अभिनव डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) आधार से आरंभ, वढक तक विस्तार 2009 में शुरू हुआ आधार कार्ड महज पहचान का साधन नहीं रहा, बल्कि यह भारतीयों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने, मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने और डिजिटल उपस्थिति देने का एक निर्णायक यंत्र बना। इससे भारत के विशाल अनौपचारिक क्षेत्र को डिजिटल समावेशन की मुख्यधारा में लाना संभव हुआ। यही आधार आगे चलकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) जैसी पहलों की बुनियाद बना, जिसने वित्तीय लेन-देन को सहज, सुलभ और सार्वभौमिक बनाया। अब हर भारतीय एक मोबाइल और आधार के माध्यम से डिजिटल अर्थव्यवस्था का भागीदार है। वढक ने धन को लोकतांत्रिक बना दिया – न कोई शाखा की आवश्यकता, न कागज, न सीमाएँ।

भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे का तालमेल

सिर्फ डिजिटल नहीं, भारत ने भौतिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। 2014 में जहाँ केवल 74 हवाई अड्डे थे, वहीं 2022 तक यह संख्या 147 तक पहुँच चुकी है। फाइबर ऑप्टिक्स का जाल गाँव-गाँव तक फैलाया गया है, और 80 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकताओं तथा 1 करोड़ से अधिक 5क्र उपभोक्ताओं की संख्या ने भारत को एक "Techade Nation" में परिवर्तित कर दिया है।

AI, ब्लॉकचेन और Web3 का भारत मॉडल

AI, और Web3 भारत के ऊढक विकास की अगली लहर बनकर उभरे हैं। प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अक आधारित शिकायत निवारण प्रणाली, स्वास्थ्य में डेटा-संचालित उपचार योजनाएँ, शिक्षा में व्यक्तिगत कंटेंट अनुशंसा, और कृषि में IDEA जैसे नवाचार भविष्य को आकार दे रहे हैं। ब्लॉकचेन आधारित प्रमाण पत्र, स्मार्ट अनुबंधों द्वारा कर गणना, तथा मेटावर्स में डिजिटल अनुभव ये सभी DPI को 2030 तक गैर-आर्थिक मूल्यों के संवर्धन में भी सक्षम बनाएंगे। डिजिलॉकर, फास्टैग, आयुष्मान भारत DPI के विविध आयाम भारत का DPI Stack सिर्फ भुगतान तक सीमित नहीं है। DigiLocke दस्तावेजों को डिजिटल रूप में सुरक्षित करता है। FAST टोल भुगतान को स्वचालित और कैशलेस बनाता है। UMANG App एकल पोर्टल से सरकारी सेवाओं की पहुँच प्रदान करता है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र की रीढ़ बनता जा रहा है। यह सभी सेवाएँ एक बुद्धिमान और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रही हैं। चुनौतियाँ एवं भविष्य की दिशा जहाँ इतनी तेज गति से प्रगति हो रही है, वहीं कुछ महत्वपूर्ण चिंताएँ भी सामने आती हैंः साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। डेटा गोपनीयता और नैतिक एआई की स्पष्ट रूपरेखा आवश्यक है। डिजिटल डिवाइड को समाप्त करने हेतु अंतिम गाँव तक हाई-स्पीड इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता आवश्यक है।

नैसकॉमझ्आर्थर डी लिटिल की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक ऊढक भारत के नागरिक जीवन को कहीं अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समावेशी बना देगा। भारत का वैश्विक नेतृत्वः तकनीक में आत्मनिर्भरता और सहयोग का समावेश भारत की DPI की ताकत न केवल घरेलू रूप से सिद्ध हो चुकी है, बल्कि इसे अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी प्रस्तुत किया जा रहा है। आधार और UPI को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा कर भारत ग्लोबल साउथ में तकनीकी साझेदारी का अग्रदूत बन रहा है। इसकी लागत-प्रभावशीलता और बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन क्षमता इसे प्रतिस्पर्धियों से अलग बनाती है। डिजिटल भारत आत्मनिर्भर, समावेशी और वैश्विक प्रेरणा भारत का डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है, यह एक सामाजिक क्रांति है जो लोगों को सशक्त बनाती है, सेवाओं को पारदर्शी बनाती है और अर्थव्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाती है। 2030 तक ऊढक न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का भी साधन बनेगा। भारत अब न केवल तकनीक की लहर पर सवार है, बल्कि उसे दिशा देने वाला नेतृत्व भी बन चुका है झ्र एक ऐसा नेतृत्व जो वैश्विक सहयोग, नैतिक नवाचार और मानवीय प्रगति पर आधारित है।

संपादकीय

मध्य प्रदेश विधानसभा : मानसून सत्र में आरोपी की बरसात की तैयारी...

इन दिनों सरकार से ज्यादा यहां का प्रतिपक्ष विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारी में व्यस्त है, सत्र के दौरान प्रतिपक्ष सड़क से सदन तक सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। बकौल प्रतिपक्ष नेता अभी तक प्रतिपक्ष ने ठोस सबूतों के साथ सरकार के भ्रष्टाचार के कथित 52 से अधिक मामले खोज लिए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी का कहना है कि भाजपा ने जानबूज कर अल्प दिवसीय मानसून सत्र बुलाया है, जिसमें की हो-हल्ले के बीच शासकीय कार्य निपटाकर आवश्यक विधेयक पारित करवा कर सत्र में लगने वाले आरोपों से मुक्ति मिल सके, किंतु प्रतिपक्ष इस अल्प सत्र में भी आक्रामक रहेगा तथा सरकार के कथित प्रमुख भ्रष्टाचारों को उजागर करने में पीछे नहीं रहेगा सरकार को उसके लिए तैयार रहना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने ऐसे कुछ गंभीर आरोपों का उल्लेख भी किया, जिनमें व्यापम घोटला, खाद-बीज घोटाला, आजीविका मिशन घोटाला, नर्सिंग घोटाला आदि प्रमुख है। कुल मिलाकर घोटाले की संख्या 52 बताई गई है। श्री पटवारी ने विधानसभा सत्र में प्रतिपक्ष की भूमिका पूरे समर्पण भाव से प्रदेश हित में निभाने की बात भी कही, श्री पटवारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस उस अफसरशाही को भी उजागर करेगी जो इन भ्रष्टाचार के कथित मामलों में सरकार के सहयोगी रहे हैं, उनका यह भी गंभीर आरोप है कि मध्य प्रदेश की पुलिस भाजपा सरकार के दबाव में कांग्रेसियों पर अनावश्यक व फर्जी मुकदमें दर्ज कर रही है, इनमें से कुछ का ब्यौरा विधानसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है, कांग्रेस इन मुद्दों पर सत्र के दौरान अपना रुख आक्रामक रखेगी तथा सरकार से हर मामले में जवाब मांगा जाएगा। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र इस बार पूर्व सत्रो की अपेक्षा काफी छोटा है, यह बात सिर्फ मध्यप्रदेश पर ही लागू नहीं होती पूरे देश में संसद से लेकर राज्य विधानसभाओं तक विधान मंडलों की बैठक में कमी परिलक्षित हो रही है, हमारे संविधान में विधान मंडलों की वर्ष भर में आयोजन की जो संख्या निर्धारित की गई है, पिछले कुछ वर्षों से उनसे आधे दिन भी बैठकें नहीं हो पा रही है, अर्थात यह परिलक्षित हो रहा है कि सरकारें अपनी मूल जन-सेवा की भूमिकाएं भूल चुकी है तथा विधान मंडलों की बैठक अब दिखावा व औपचारिकता ही रह गई है, अब जनता व उनके कथित जनप्रतिनिधियों के साथ यह लुका-छिपी का खेल कैसा है और अब तक चलेगा? कुछ नहीं कहा जा सकता। जो भी राजनीतिक दल सत्ता पर काबिज होता है, उसके बाद वह जनता के सामने से बचने की कोशिशों में व्यस्त हो जाता है, उनका ताजा व साक्षात प्रमाण विधान मंडलों की बैठक में दिनों-दिन कमी होना है। अब हमारा प्रजातंत्र की दिशा किस ओर है और उसे किस ओर होना चाहिए, यह तो देश की जनता अगले चुनावों में इन सत्तारूढ़ दलों को दिखाएंगी, किंतु फिलहाल चिंता मौजूदा हालातो की है, चुनाव तो अभी काफी दूर है।

(आस्था)

कल सावन विनायक चतुर्थी पर बन रहा रवि योग, जानिए तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त, मंत्र और आरती...

हिंदू धर्म में विनायक चतुर्थी का विशेष महत्व है। यह तिथि भगवान गणेश को समर्पित है। आपको बता दें कि सावन विनायक चतुर्थी का व्रत श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाएगा। वहीं वैदिक पंचांग के अनुसार इस बार सावन विनायक चतुर्थी के दिन रवि योग बन रहा है। सात ही 12 घंटे की भद्रा रहेगी। वहीं मान्यता है कि विनायक चतुर्थी के दिन व्रत रखकर गणपति बप्पा की पूजा करते हैं, उनके सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। वहीं आने वाली विघ्न और बाधाएं दूर होती है। इस बार विनायक चतुर्थी पर सावन का तीसरे सोमवार संयोग बना रहा है. इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती के साथ श्री गणेश की पूजा की जाएगी। आइए जानते हैं तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और आरती मृत्यु होने के बाद व्यक्ति क्या वापस जिंदा हो सकता है? प्रेमानंद महाराज ने दिया चौंका देने वाला जबाव विनायक चतुर्थी तिथि 2025 वैदिक पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल चतुर्थी तिथि की शुरूआत 27 जुलाई दिन रविवार को रात 10 बजकर 42 मिनट से होगी। साथ ही यह तिथि 28 जुलाई सोमवार को रात 11 बजकर 25 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदयाति ?थि के अनुसार सावन विनायक चतुर्थी का व्रत 28 जुलाई को रखा जाएगा। हरियाली तीज पर नहीं मिला तैयार होने का समय? लास्ट मिनट पर इस तरह हों रेडी, पिया की नहीं हटेंगी नजरें मृत्यु होने के बाद व्यक्ति क्या वापस जिंदा हो सकता है? प्रेमानंद महाराज ने दिया चौंका देने वाला जबाव भोले बाबा भी बाघ की छाल पर बैठते हैं, सावन में व्रत के बाद मटन खाने पर ट्रोल हुईं तनुश्री दत्ता तो दिया ये जवाब गोमेद धारण करने से इन राशियों मिल सकती है करियर और कारोबार में उन्नति, जानिए धारण करने की विधि और लाभ सावन विनायक चतुर्थी पूजा मुहूर्त सावन विनायक चतुर्थी पर पूजा मुहूर्त 28 जुलाई को सुबह 11:05 मिनट से दोपहर 1:48 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस दिन विनायक चतुर्थी पूजा के लिए आपको 2 घंटे 43 मिनट का शुभ समय मिलेगा। वही 28 जुलाई को भद्रा सुबह 10:56 मिनट से रात 11:25 मिनट तक रहेगी। ऐसे में भद्रा के समय में शुभ कार्य नहीं होंगे, लेकिन गणेश जी की पूजा की जा सकती है।

आज का राशिफल

मेषः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेषः धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके खर्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को जरूरत से ज्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। रोमांस के नजरिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभः आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। दफ़्तर के कामकाज में ज्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। आपके काम की गुणवत्ता देखकर आपके वरिष्ठ आपसे प्रभावित होंगे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः अपना मूड बदलने के लिए सामाजिक मेलजोल का सहारा लें। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी लेकिन साथ ही रिश्तों में मजबूती आएगी। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में खुशी महसूस करेंगे। आज आप इश्क की चाशनी ज़िन्दगी में घुलती हुई महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके कामकाज की सराहना होगी। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। अगर बातचीत और चर्चा आपके मुताबिक न हो, तो आप नाराजगी में कड़वी बातें कह सकते हैं जिन्हें लेकर बाद में आपको पछताना पड़ सकता है झ्र इसलिए भली-भांति सोचकर ही बोलें। रोमांस के लिए अच्छा दिन है। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप खुद यह न जानते हों कि आप उसे हर कीमत पर पूरा करेंगे।

सिंहः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है। आपको अपना बाकी वक़्त बच्चों के संग गुजारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ खास ही क्यों न करना पड़े। आज आपकी मुस्कान बेमानी है, हँसी में वो खनक नहीं है, दिल धड़कने में आनाकानी कर रहा है; क्योंकि आप किसी खास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है– इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए।

कन्याः टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्याः मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है। आपको अपना बाकी वक़्त बच्चों के संग गुजारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ खास ही क्यों न करना पड़े। आज आपकी मुस्कान बेमानी है, हँसी में वो खनक नहीं है, दिल धड़कने में आनाकानी कर रहा है; क्योंकि आप किसी खास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः खयाली पुलाव पकाना मदद नहीं करता। परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ कर दिखाने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में या करोबार में आपकी कोई लापरवाही आज आपको आर्थिक नुक्सान करा सकती है। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नजरअंदाज करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः सेहत बढ़िया रहेगी। जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। कोई नया रिश्ता न सिर्फ लंबे वक़्त तक कायम रहेगा, बल्कि फायदेमंद भी साबित होगा। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

धनुः ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनुः आज के दिन आराम करना जरूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुजरे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। आज के दिन औरों की राय सुनना और उनपर अमल करना महत्वपूर्ण होगा। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर-लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको खुश रखेंगे और सुकून देंगे। अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। अनचाहे मेहमानों से शाम को आपका घर भरा रह सकता है। प्यार के नजरिए से यह दिन बेहद खास रहेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कुंभः गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। नाती-पोतों से आज काफी खुशी मिल सकती है। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। तरोताजगी और मनोरंजन के लिए बढ़िया दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन-देन में सावधानी की जरूरत है। बातचीत में कुशलता आज आपका मजबूत पक्ष साबित होगी।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके खर्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को जरूरत से ज्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। रोमांस के नजरिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

समझदारी मांगती है ऑनलाइन फर्नीचर की खरीदारी

ऑनलाइन शॉपिंग में अच्छा डिस्काउंट मिल जाता है और घर बैठे सामान भी आ जाता है। लेकिन बड़े सामानों में इन सुविधाओं से ज्यादा सही उत्पाद महत्व रखता है।

केवल लुक पर ना जाएं

कुछ अच्छा दिख रहा है, बस, इसीलिए उसे खरीदने की तैयारी ना कर लें। ऑनलाइन फर्नीचर की प्रस्तुति में कमरे की सज्जा अलग होती है, वैसी आपके घर की नहीं होगी। साथ ही माप का भी ध्यान रखें।

कुछ बातें साफ हों

फर्नीचर को बार-बार बदलना संभव नहीं होगा। इसलिए बेहद सोचकर चुनिए। किस कमरे के लिए लेना है या कमरे की बाकी चीजों के अनुसार लेना है, जूतों के लिए रैक ले रहे हैं या बालकनी के लिए मुड्ढे, जब सब कुछ दिमाग में साफ होगा तो चुनने में आसानी होगी।

मेल का ख्याल रखें

घर में सारा लकड़ी का फर्नीचर है और आपको मेटल या केन फर्नीचर पसंद आ जाता है। इसलिए जो भी फर्नीचर चुनें तो पहले जगह निर्धारित कर लें कि उसे कहां रखेंगे, ताकि वो बाकी फर्नीचर के साथ बेमेल ना लगे। हां, कुछ बदलाव चाहते हैं तो ऐसे फर्नीचर का भी चुनाव कर सकते हैं जो एक दूसरे के पूरक हों।

ये पहले पता करें

फर्नीचर बुक करते समय यह भी जानकारी लें कि फर्नीचर को असेंबल करने की सुविधा दी जा रही है या नहीं। यदि हां तो किस समय तक असेंबल होगा। साथ ही डिसमेंटल करने के बारे में भी कंपनी की सुविधाओं को जान लें। क्योंकि अगर आपको घर बदलना पड़ा और आपका फर्नीचर लिफ्ट के जरिए या सीढ़ियों से जाना पड़ा, तो क्या संभव होगा। इन सभी बातों पर गौर करें।

यह भी समझें

मटेरियल पर भी ध्यान दें। किस तरह की लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है, फर्नीचर पर यदि कपड़ा चढ़ा है तो वह किस गुणवत्ता का है। इन सभी बातों को नजरअंदाज ना करें। वेबसाइट पर उत्पाद के नीचे फर्नीचर के मटेरियल की सारी जानकारी होती है, उसे ध्यान से पढ़ें। इसके अलावा कस्टमर के रिव्यू भी देख लें, ताकि पता चल सके कि फर्नीचर में क्या खराबी आ सकती है या किन बातों का ख्याल आपको रखना पड़ेगा।

खास मौके के लिए

यदि किसी खास मौके (त्योहार, फंक्शन आदि) के लिए फर्नीचर बुक कर रहे हैं, ताकि उस खास दिन घर अलग लगे, तो आखिरी समय का इंतजार ना करें। ये भी हो सकता है कि फर्नीचर डिलीवरी के दौरान किसी तरह की टूट-फूट हो जाए। ऐसे में उसे बदलना होगा जिसमें वक्त लग सकता है। इसलिए पहले ही मंगा लें और बदलने के लिए भी कुछ दिनों की गुंजाइश रखें।

गुणवत्ता की परख

ऑनलाइन खरीदारी में गुणवत्ता पता करना जरा मुश्किल होता है। इसलिए किसी भी वेबसाइट पर अच्छी डील या डिस्काउंट के कारण ना जाएं, बल्कि फर्नीचर के लिए जानी-मानी कंपनी की वेबसाइट से ही खरीदारी करें।

साइकोलॉजी के अनुसार जीनियस होते हैं ये आदतें रखने वाले बच्चे, कहीं आपका बच्चा भी तो नहीं?

कुछ बच्चे जीनियस होते हैं और उनमें ऐसी कई आदतें और बातें होती हैं जिनकी मदद से आप समझ सकते हैं कि वो बच्चा जीनियस है।

ये तो हम सभी जानते और समझते हैं कि हर बच्चा अलग होता है और जो खास बातें एक बच्चे में होती हैं, वो दूसरे में नहीं हो सकती हैं। कुछ बच्चे पढ़ाई में बहुत होशियार होते हैं, तो कुछ खेल-कूद में आगे रहते हैं। इस तरह हर बच्चा एक-दूसरे से अलग होता है। इसी तरह कुछ बच्चे जीनियस भी होते हैं और इनमें कुछ बातें या आदतें अलग होती हैं जिनकी मदद से आप ये जान और समझ सकते हैं कि ये बच्चे जीनियस हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि साइकोलॉजी के अनुसार जीनियस बच्चों में क्या गुण और आदतें होती हैं।

सकारात्मक दृष्टिकोण

आपको बता दें कि इन बच्चों का जीवन के हर पहलू को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रहता है। बात समाज की हो या फिर व्यक्तिगत पहलुओं की, ये हर चीज और मुश्किल के सामने सकारात्मक नजरिया रखते हैं और चुनौतियों से घबराते नहीं हैं बल्कि उनका डटकर सामना करते हैं।

फैसला लेना

जीनियस बच्चों के बारे में ये कहा जाता है कि ये फैसले लेने में निपुण होते हैं। इनमें सही और गलत के बीच फर्क समझने का कौशल और क्षमता होती है और ये अपने हर निर्णय के फायदे और नुकसानों का आंकलन करने की भी क्षमता रखते हैं। कहा जा सकता है कि जीनियस बच्चे अपने फैसले खुद ले सकते हैं।

आत्म-नियंत्रण की भावना

इन बच्चों को अपनी भावनाओं और गुस्से को कंट्रोल करना आता है। आप सोच रहे होंगे कि बच्चे तो इन सभी चीजों के लिए बहुत छोटे होते हैं फिर वो कैसे इतना सब कर सकते हैं। आपको बता दें कि यहां बात जीनियस बच्चों की हो रही है और ये बच्चे खुद पर कंट्रोल रखना जानते हैं।

रचनात्मक होते हैं

जीनियस बच्चों में रचनात्मकता का गुण भी देखा जाता है। इनके कामों ही नहीं बल्कि इनकी सोच और विचारों में भी रचनात्मकता देखी जा सकती है। अगर आप भी एक पैरेंट हैं, तो अपने बच्चे में इस गुण के तलाशकर देखें और अगर उसमें ये गुण नहीं है, तो आप कुछ तरीकों से इसे विकसित भी कर सकते हैं।

जिज्ञासु होते हैं

सबसे महत्वपूर्ण बात कि जीनियस बच्चे जिज्ञासु होते हैं। ये हर चीज के बारे में जानने की उत्सुकता रखते हैं और नए अनुभवों के लिए तैयार रहते हैं। आप ये कह सकते हैं कि इनके सामने जो कुछ भी आता है, ये उसके बारे में जानना चाहते हैं और नई चीजों को समझने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

इसके अलावा अगर आपका बच्चा आपसे बहुत सवाल करता है, तो उसे रोके या डांटे नहीं बल्कि उसके जिज्ञासु मन को शांत करें। इससे बच्चों के ज्ञान का दायरा बढ़ता है और वो बुद्धिमान बनते हैं। ये बच्चे ज्ञानी और बुद्धिमान बन सकते हैं इसलिए आप अपने बच्चे के हर सवाल का जवाब देने की कोशिश करें।

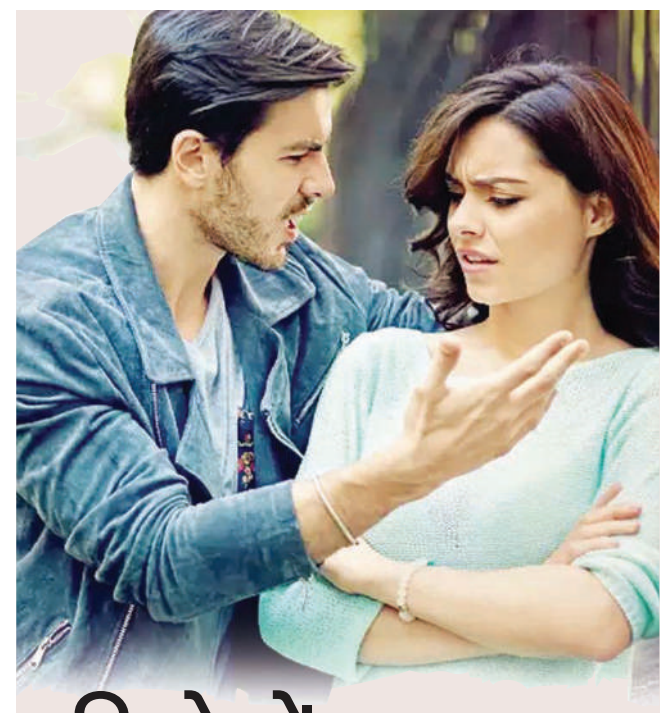

रिश्ते में कड़वाहट को बढ़ने से इस तरह रोकें

पति-पत्नी के रिश्ते में गुस्सा, नाराजगी, प्यार, मोहब्बत सब धूप-छांव की तरह होते हैं। लेकिन यदि गुस्से और नाराजगी का अनुपात ज्यादा हो जाए तो रिश्ता बिगड़ने लगता है। यदि आप भी किसी ऐसे आदमी के साथ रिश्ते में बंधी हैं, जिसे अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं रहता है तो जान लें इन्हें कैसे हैंडल करना चाहिए।

आज कल लोगों की मनोदशा बहुत तरीके से प्रभावित हो रही है, जिसके कारण वह अपने इमोशन को सही तरह से कंट्रोल करने में समर्थ नहीं है। इससे बहुत ज्यादा गुस्सा आना, मानसिक दबाव महसूस होने जैसी समस्याएं लोगों में बहुत ही बढ़ गई है। ऐसे में रिश्तों को कैसे बचा कर रखा जा सकता है, आप इस लेख में प्रिडिक्शन्स फॉर सक्सेस के संस्थापक और रिलेशनशिप कोच विशाल भारद्वाज से जान सकते हैं। खासतौर पर यदि आप एक गुस्सैल पति या पत्नी के साथ बंधन में बंधे हुए हैं, तो यह टिप्स आपके लिए बहुत काम आ सकते हैं।

धीरज रखें

जब आपके पति क्रोध में हों तो ऐसी स्थिति में आपका गुस्सा करना चीजों को और भी खराब कर सकता है। ऐसे में अपनी बात को कहने के लिए उन्हें पूरे तरीके से शांत होने दें। ध्यान रखें कि जब भी पति गुस्से में हो तो पति का शांत रहना बहुत जरूरी है वरना छोटी सी बात भी लड़ाई में बदल जाती है।

पति से उनके गुस्से के बारे में बात करें

अपने पति के एंगर इश्यू के बारे में उनसे खुलकर बात करें। अपने पति से बात करते हुए उन्हें अपनी भावनाओं के बारे में बताएं। उन्हें समझाएं कि किस तरह से उनका गुस्सा आपके रिश्ते को खोखला कर रही है। ध्यान रखें कि उन्हें ऐसा महसूस न हो कि आप उन पर कोई आरोप लगा रही हैं या उनमें कमी निकाल रहीं हैं।

उचित समय का चयन करें

किसी भी विषय पर उनसे चर्चा करने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि उनका मूड अच्छा हो। यदि वह पहले से थके या चिड़चिड़े होंगे तो उनके क्रोधित होने की संभावनाएँ ज्यादा होंगी। जिससे आपको एक बार फिर बिना किसी बात के उनका सामना करना पड़ जाएगा। इस समस्या का कारण खोजें बैठ कर आत्म चिंतन करें कि ऐसी कौन सी बातें हैं जो आपके पति को क्रोध दिलाती है। और ऐसी कौन सी बातें हैं या फिर परिस्थिती है जिनके कारण वे क्रोधित होते हैं जब आपको एक बार इसका सही-सही अनुमान हो जाएगा तब आप इसका समाधान बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

एक्सपर्ट की मदद लें

यदि आप और आपके पति स्वयं अपनी इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं तो ऐसे में आप किसी पेशावर से मदद ले सकते हैं। ये तरीका आपके लिए काफी असरदार साबित हो सकती है। ध्यान रखें प्यार और शादी के रिश्ते में इस तरह की चुनौतियां आना आम बात है। ऐसी स्थिति में आप अपने जीवन साथी की समस्याओं से निकलने में सबसे अधिक सहायता कर सकते हैं।

कुछ अलग करना चाहती हैं तो ट्राई करें यह हेयरस्टाइल्स

कई बार हम पुराने दिनों को याद करते हैं और उन्हीं दिनों में वापिस लौट जाना चाहते हैं। लेकिन वो कहते हैं ना कि बीता हुआ समय वापिस लौटकर नहीं आता। ऐसे में आप पुराने दिनों को तो वापिस नहीं ला सकते, लेकिन पुराने जमाने के लुक्स को रिक्रिएट करके पुरानी यादों को ताजा अवश्य किया जा सकता है। खासतौर से, एक विंटेज लुक के लिए सबसे जरूरी है हेयरस्टाइल पर फोकस करना।

अगर आपने ध्यान दिया हो तो आपने अवश्य पाया होगा कि पुराने समय में कुछ खास हेयरस्टाइल्स को बेहद पसंद किया जाता था। लेकिन अब उन हेयरस्टाइल्स को कोई नहीं बनाता। ऐसे में अगर आप अपने लुक में एक बदलाव चाहती हैं और कुछ अलग करना चाहती हैं तो ऐसे में इन हेयरस्टाइल्स को बना सकती हैं। इन्हें बनाना इतना भी मुश्किल नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही विंटेज हेयरस्टाइल्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपके बालों में भी बेहद अच्छे लगेंगे-

वेव्स हेयरस्टाइल्स

जब विंटेज लुक की बात होती है तो ऐसे में बालों को कर्ल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके लिए आप पहले बालों को कर्ल करें। इसके बाद, आप फ्रंट से भी बालों को अंदर की तरफ कर्ल करें। यह आपके बालों को एक डिफरेंट लुक मिलेगा। इसके बाद, आप बालों में हेडबैंड लगाएं। बस आपका हेयरस्टाइल रेडी है।

बंडाना विंटेज हेयरस्टाइल

यह हेयरस्टाइल ना केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि आपके बालों को एक डिफरेंट लुक देता है। इसके लिए, आप फ्रंट से थोड़े बालों को साइड पार्टिंग करके उसे रोल करें। अब आप बचे हुए बालों को पीछे ले जाएं और बन बनाएं। आप इसे पिन की मदद से फिक्स करें। आखिरी में, अपने हेयरस्टाइल को बंडाना की मदद से और भी अधिक खूबसूरत बनाएं।

साइड स्वेप्ट विंटेज हेयरस्टाइल

यह साइड स्वेप्ट विंटेज हेयरस्टाइल आपके लुक को केजुअल्स में भी खास बनाता है। इसके लिए आप फ्रंट से थोड़े हेयर लेकर उसे रोल करें और फिर पिन की मदद सिक्योर करें। इसके बाद आप फ्रंट के दोनों साइड्स के हेयर्स को भी रोल करें और पिन की मदद से सिक्योर करें। अब आप अपनी हेयर लेंथ को लाइट कर्ल लुक दें।

विंटेज रोल बन हेयरस्टाइल

अगर आप वेडिंग सीजन में या फिर किसी खास अवसर के लिए एक विंटेज लुक क्रिएट कर रही हैं तो ऐसे में आप अपने बालों में पीछे ले जाकर चिग्नॉन हेयरस्टाइल बनाएं और अपने बालों को एक विंटेज लुक देने के लिए आप साइड में रोल बनाकर उसे पिन की मदद से फिक्स करें। यह हेयरस्टाइल बेहद ही एलीगेंट और ब्यूटीफुल लुक देता है।

कर्ल हाफ अप विंटेज हेयरस्टाइल

इसके लिए आपको बालों को कॉम्ब करने के बाद साइड पार्टिंग करनी है। अब आप बालों को बैक में हल्का पफ लुक दें और बालों को पिनअप करें। इसके बाद, बालों को अधिक वॉल्यूम और विंटेज लुक देने के लिए हेयर लेंथ को कर्ल करें। आप कर्ल हेयर को अपने शोल्डर पर फ्लॉन्ट करें। यह विंटेज हेयरस्टाइल हाउस पार्टीज आदि के लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

बॉब कट विंटेज हेयरस्टाइल

अगर आपके बालों को बॉब कट लुक दिया है तो ऐसे में आप बालों को बेहद आसानी से विंटेज लुक दे सकती हैं। इसके लिए आप फ्रंट से बालों को रोल करके सेट करती जाएं। इसके अलावा, आप साइड व पीछे के हेयर्स को भी लूज कर्ल लुक दें।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में एक साल के बच्चे ने कोबरा को काटा, सांप की हो गई मौत

बेतिया, एजेंसी। फुफकार मारते जहरीले कोबरा सांप को देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाते हैं। मगर बिहार के बेतिया से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक साल के बच्चे ने जहरीले कोबरा को दांत से काट दिया। इससे सांप की मौके पर ही मौत हो गई। सांप को काटने के कुछ घंटे बाद बच्चा भी बेहोश हो गया। घटना पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया प्रखंड के मोहच्छी बनकटवा गांव की है। बच्चे को बेहोशी की हालत में मझौलिया पीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेतिया के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार सुनील साह का एक साल का बेटा गोविंदा शुक्रवार दोपहर को अपने घर में खेल रहा था। दादी मातेश्वरी देवी ने बताया कि इसी दौरान घर में दो फीट लंबा कोबरा सांप निकल आया। मासूम ने सांप को खिलौना समझकर उसे पकड़ लिया। फिर उसे दांत से काट दिया। इसके तुरंत बाद कोबरा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चे ने काटकर सांप के दो टुकड़े भी कर दिए थे। बेतिया स्थित जीएमसीएच अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. दिवाकांत मिश्रा ने बताया कि बच्चे में जहर के कोई भी लक्षण नहीं हैं। फिलहाल उसका उपचार जारी है। बच्चे की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस वाकये के बाद परिजन घबरा गए। वहीं, बच्चे के काटने से सांप की मौत पर लोग हैरानी जता रहे हैं।

रिटायरमेंट के बाद सरकारी पद नहीं करूंगा स्वीकार, सीजेआई गवई ने बताया आगे का प्लान

अमरावती, एजेंसी। देश के 52वें मुख्य न्यायधीश का पद संभाल रहे जस्टिस बी आर गवई ने शुक्रवार को कहा है कि वह सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे। जस्टिस गवई ने बीते मई के महीने में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली थी। वहीं उनका कार्यकाल इस साल नवंबर में खत्म होने जा रहा है। सीजेआई शुक्रवार को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में अपने पैतृक गांव दारापुर में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, ''मैंने फैसला कर लिया है कि सेवानिवृत्ति के बाद मैं कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा। उन्होंने आगे भविष्य की योजना के बारे में भी बताया। सीजेआई ने कहा कि वे सेवानिवृत्ति के बाद अपने होम टाउन में अधिक से अधिक समय बिताएंगे। उन्होंने कहा, रिटायरेंट के बाद मुझे अधिक समय मिलेगा, इसलिए मैं दारापुर, अमरावती और नागपुर में अधिक समय बिताने का प्रयास करूंगा।'' इससे पहले जस्टिस गवई का पैतृक गांव में जोर शोर से स्वागत हुआ। सीजेआई ने यहां अपने पिता, केरल और बिहार के पूर्व राज्यपाल आर एस गवई के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और परिवार के कुछ सदस्यों के साथ उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। वहीं गवई ने दारापुर के रास्ते पर बनने वाले एक भव्य द्वार की आधारशिला भी रखी, जिसका नाम आर.एस. गवई के नाम पर रखा जाएगा। गौरतलब है कि 14 मई को चीफ जस्टिस पद की शपथ लेने वाले जस्टिस गवई देश के महज दूसरे दलित चीफ जस्टिस हैं। महाराष्ट्र में अमरावती में जन्मे जस्टिस गवई 2003 में बॉम्बे हाईकोर्ट का हिस्सा बने थे। इसके बाद वे 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट के जज बने थे।

मराठी में बोलो, वरना राज ठाकरे आ जाएंगे, कॉलेज ग्रुप पर छात्र ने लिखा मैसेज; जमकर हुई पिटाई

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई के एक कॉलेज के बाहर छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। छात्र ने कथित तौर पर एक व्हाट्सएप ग्रुप में अन्य छात्रों से मराठी में बात करने को कहा था और इस दौरान महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे का नाम लिया। इस बात को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें छात्र को गंभीर चोटें आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब एक कॉलेज व्हाट्सएप ग्रुप पर भाषा को लेकर बहस छिड़ गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमवार को कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप पर कुछ छात्र हिंदी में संदेश भेज रहे थे। इसी दौरान एक छात्र ने मराठी में जवाब दिया, मराठी में बोला करो, नहीं तो राज ठाकरे आ जाएंगे। यह टिप्पणी विवाद की वजह बन गई। गौरतलब है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे अकसर राज्य में मराठी भाषा और अस्मिता के मुद्दे को लेकर मुखर रहते हैं। हाल के दिनों में एमएनएस कार्यकर्ताओं द्वारा ऐसे कई हमले किए गए हैं, जिनमें ठाणे में एक दुकानदार और नांदेड़ में एक सार्वजनिक शौचालय में काम करने वाले व्यक्ति पर हमले शामिल हैं। ताजा मामले में व्हाट्सएप ग्रुप पर शुरू हुई यह बहस अगले दिन और बढ़ गई। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे वाशी के एक कॉलेज के बाहर चार छात्रों ने मिलकर उस छात्र पर हमला कर दिया जिसने मराठी में बोलने की अपील की थी। हमलावरों में फैजान नाइक नामक एक छात्र ने पीड़ित छात्र के सिर पर हॉकी स्टिक से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वाशी डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त आदिनाथ बुधवंत ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा, दो समूहों के बीच झगड़े को लेकर वाशी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। यह विवाद व्हाट्सएप ग्रुप में हुई बहस के बाद उत्पन्न हुआ। शिकायतकर्ता को लकड़ी की छड़ी से पीटा गया है।

कौन लेगा धनखड़ की जगह? 5 राज्यों पर होगा फोकस, प्रधानमंत्री के मालदीव ले लौटते ही बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। जगदीप धनखड़ के हालिया इस्तीफे के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) उपराष्ट्रपति पद के लिए अपने उम्मीदवार को अंतिम रूप देने की तैयारी में जुट गया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदीव दौरे से लौटने के बाद लिया जाएगा। एनडीए की एक अहम बैठक जल्द ही होने की संभावना है, जिसमें उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार का चयन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने ही किसी अनुभवी नेता को इस पद के लिए नामित करने की योजना बना रही है, जिसे गठबंधन के सहयोगी दलों का समर्थन प्राप्त होगा। यहां खास बात ये है कि अगला उपराष्ट्रपति उम्मीदवार उन पांच राज्यों में से हो सकता है जहां अगले साल तक विधानसभा चुनाव होने हैं।

धनखड़ के इस्तीफे ने चौंकाया : जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका यह कदम चौंकाने वाला था, क्योंकि वह अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान कई बार विपक्षी दलों के साथ टकराव के कारण चर्चा में रहे। धनखड़ भारत के उन चुनिंदा उपराष्ट्रपतियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान इस्तीफा दिया। इससे पहले केवल वी.वी. गिरी और आर. वेंकटरमण ही ऐसा कर चुके हैं।

एनडीए की मजबूत स्थिति : उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों से मिलकर बने निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। वर्तमान में इस निर्वाचक मंडल में कुल 782 सांसद हैं, जिनमें से एनडीए के पास लगभग 425 सांसदों का समर्थन है। यह स्पष्ट बहुमत एनडीए के उम्मीदवार को इस पद के लिए प्रबल दावेदार बनाता है। सूत्रों का कहना है कि बीजेपी अपने संगठनात्मक और वैचारिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए एक ऐसे नेता को चुनना चाहती है, जिसके पास व्यापक राजनीतिक और विधायी अनुभव हो।

इन पांच राज्यों पर विशेष ध्यान : उपराष्ट्रपति को लेकर एनडीए की रणनीति में आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखा जा रहा है। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में और अगले साल असम के अलावा पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए उम्मीदवार के चयन में चुनावी पहलुओं की भी भूमिका होने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति उच्च सदन का पदेन सभापति होता है, जो संसद की कार्यवाही को आकार देने और इस प्रकार सरकार के एजेंडे को दिशा देने में एक महत्वपूर्ण पद है।

संभावित उम्मीदवारों में कौन : हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक नाम सामने नहीं आया है, लेकिन चर्चा है कि राज्यसभा के उपसभापति व हृष्ट सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद हरिवंश एक नाम हो सकते हैं। वे 2020 से इस पद पर कार्यरत हैं और एक मजबूत दावेदार हो सकते हैं। उन्हें सरकार का विश्वास प्राप्त है और उनकी गैर-विवादास्पद छवि उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है। लेकिन दूसरी तरफ इस तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं कि भाजपा इस बार अपने ही किसी अनुभवी नेता को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाएगी।

पीएम मोदी की वापसी का इंतजार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन के बाद वर्तमान में मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर हैं, जहां उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की और आठ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। उनकी वापसी के बाद एनडीए की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा तेज होने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि उम्मीदवार की घोषणा अगले सप्ताह तक हो सकती है, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके लिए रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति भी कर दी गई है। बीजेपी इस बार अपने ही किसी अनुभवी नेता को इस पद के लिए चुनना चाहती है, ताकि संगठन की विचारधारा और मूल्यों को मजबूती मिले। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बीजेपी नए प्रयोगों से बचना चाहती है और अपने अनुभवी नेताओं के पूल में से ही उम्मीदवार का चयन करेगी। इस प्रक्रिया में सहयोगी दलों की सहमति भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि गठबंधन की एकजुटता बनी रहे।

जब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के विशेष कार्य अधिकारी आपस में भिड़ गए. जमकर हुई तू-तू मैं-मैं

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक की सियासत का आपसी तनाव शुक्रवार को दिल्ली में खुलकर सामने आ गया, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के विशेष कार्य अधिकारी आपस में भिड़ गए। यह विवाद इतना बढ़ गया कि कर्नाटक भवन में दोनों अधिकारियों के बीच जमकर तू-तू मैं-मैं हुई, जिसके बाद औपचारिक शिकायतें दर्ज की गईं और मामले की जांच की मांग उठी। सूत्रों के मुताबिक, यह टकराव मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी सी मोहन कुमार और उपमुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी एच अंजनेया के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि मोहन कुमार ने अंजनेया को सबके सामने धमकाते हुए कहा कि वह उन्हें मार सकते हैं। यह पूरी घटना अन्य सरकारी कर्मचारियों की मौजूदगी में घटी। एच अंजनेया ने इस मामले में अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर और कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी राजनीश को एक औपचारिक शिकायत दी है। अपनी चिट्ठी में अंजनेया ने लिखा, अगर मेरे साथ कोई 'दुर्घटना' होती है तो इसके लिए मोहन कुमार जिम्मेदार होंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोहन कुमार पहले भी एक व्यक्ति के साथ हिंसक व्यवहार कर चुके हैं। शिकायत में अंजनेया ने दावा किया, मुझे जूते से मारा गया, जिससे मेरी प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाया जाए और मुझे न्याय मिले। उन्होंने विभागीय जांच की भी मांग की है। इस विवाद की शुरुआत एक मौखिक बहस से हुई थी, लेकिन मामला तब और बिगड़ गया जब कर्नाटक भवन की कुछ महिला कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री के अधिकारी एच अंजनेया पर अभद्र भाषा और अमर्यादित शब्दों के इस्तेमाल का आरोप लगाया।

नूंह-अलवर हाईवे बनेगा 4 लेन,निकलेंगे 2 बाईपास; 50 से ज्यादा गांवों को होगा फायदा

नूंह, एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले के लोगों के लिए अच्छी खबर है। नूंह-अलवर नेशनल हाईवे को फोर लेन बनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। सितंबर से इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इसको लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन विभाग ने गुरुवार को टेंडर लगा दिया है। निर्माण करने वाली कंपनी का चयन होने के बाद इसका काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके साथ ही दो बाईपास का भी निर्माण किया जाएगा। नूंह से अलवर सीमा तक करीब 48 किलोमीटर तक दोनों तरफ करीब 50 गांव लगते हैं। नूंह-अलवर नेशनल हाईवे को चार लेन बनाने का निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में हाईवे को चार लेन बनाया जाएगा, उसके बाद नूंह से मालब और गांव भादस में प्रस्तावित बाईपास का निर्माण किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 440 करोड़ रुपये मंजूर कर दिए हैं। इनमें से 310 करोड़ की लागत से हाईवे को चार लेन बनाने पर खर्च किया जाएगा। बाकी 130 करोड़ रुपये बाईपास के निर्माण कार्य पर खर्च किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल पहले चरण के निर्माण कार्य के लिए टेंडर लगाया गया है।

पिछड़े समाज को उनका हक दिलाने में कांग्रेस खरी नहीं उतरी, यह कोई नई बात नहीं है : मायावती

लखनऊ , एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछड़े समाज से 'माफी' मांगते हुए, यह स्वीकार किया कि कांग्रेस और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से, पिछड़े वर्गों के लिए उतना काम नहीं किया जितना किया जाना चाहिए था। उन्होंने इसे अपनी गलती बताया है। इस मुद्दे पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि पिछड़े समाज को उनका हक दिलाने में कांग्रेस खरी नहीं उतरी, यह कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ और जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है। बसपा मुखिया मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका संवैधानिक हक दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ व जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है। वास्तव में उनका यह बयान उसी तरह से जगजाहिर है जैसा कि देश के करोड़ों शोषित, वंचित व उपेक्षित एससी/एसटी समाज के प्रति कांग्रेस पार्टी का ऐसा ही दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण रवैया लगातार रहा है और जिस कारण ही इन वर्गों के लोगों को फिर अन्ततः अपने आत्म-सम्मान व

स्वाभिमान तथा अपने पैरों पर खड़े होने की ललक के कारण अलग से अपनी पार्टी बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) यहां बनानी पड़ी है। मायावती ने लिखा, कुल मिलाकर इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी यूपी सहित देश के प्रमुख राज्यों की सत्ता से लगातार बाहर है और अब सत्ता गंवाने के बाद इन्हें इन वर्गों की याद आने लगी है जिसे इनकी नीयत व नीति में हमेशा खोट रहने की वजह से घड़ियाली आंसू नहीं तो और क्या कहा जाएगा, जबकि वर्तमान हालात में बीजेपी के एनडीए का भी इन वर्गों के प्रति दोहरे चरित्र वाला यही चाल-ढाल लगता है। वैसे भी एससी/एसटी वर्गों को आरक्षण का सही से लाभ व संविधान निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं करने तथा देश की आज़ादी के बाद लगभग 40 वर्षों तक ओबीसी वर्गों को आरक्षण की सुविधा नहीं देने तथा सरकारी नौकरियों में इनके पदों को नहीं भरकर उनका भारी बैकलॉग रखने आदि के जातिवादी रवैयों को भला कौन भुला सकता है, जो कि इनका यह अनुचित जातिवादी रवैया अभी भी जारी है। उन्होंने लिखा, इतना ही नहीं बल्कि इन सभी जातिवादी पार्टियों ने आपस में मिलकर एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण को किसी ना किसी बहाने से एक प्रकार से निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी ही बना दिया है। राजनीतिक व आर्थिक तौर पर गुलाम व लाचार बनाए रखने के मामलों में सभी जातिवादी पार्टियाँ हमेशा से एक ही थैली के चट्टे-बट्टे रहे हैं, जबकि अम्बेडकरवादी पार्टी बीएसपी सदा ही इन वर्गों की सच्ची हितैषी रही है और यूपी में चार बार बी.एस.पी. के नेतृत्व रही सरकार में सर्वसमाज के ग़रीबों, मज़लूमों के साथ-साथ बहुजन समाज के सभी लोगों के जान-माल व मज़हब की सुरक्षा व सम्मान तथा इनके हित एवं कल्याण की भी पूरी गारण्टी रही है।

सांवले रंग, खाना बनाने की आदतों पर तंज क्रूरता नहीं, 27 साल पुराने केस में पति को हाई कोर्ट ने दी राहत

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 27 साल पुराने केस में पति को राहत देते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि सांवले रंग और खाना बनाने की आदतों पर तंज कसना क्रूरता नहीं है। महाराष्ट्र के सतारा निवासी सदाशिव को पत्नी प्रेमा को आत्महत्या के लिए उकसाने और क्रूरता के मामले में सजा मिली थी। सेशन कोर्ट ने 1998 में पत्नी की मौत के बाद उसे दोषी माना था। इसके बाद पति सदाशिव रुपनवर ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी।

गायब हो गई थी पत्नी : शादी के पांच साल बाद सदाशिव की पत्नी प्रेमा अपनी ससुराल से जनवरी 1998 में गायब हो गई थी। बाद में उसका शव कुएं से बरामद हुआ था। प्रेमा के घरवालों की शिकायत पुलिस ने सदाशिव और उसके पिता पर केस दर्ज किया था। इन दोनों पर आरोप थे कि उनकी प्रताड़ना से तंग आकर प्रेमा ने अपनी जान दे दी। ट्रायल कोर्ट ने सदाशिव के पिता को छोड़ दिया, लेकिन उसे पत्नी पर क्रूरता के आरोप में एक साल और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पांच साल की सजा दी। उस वक्त सदाशिव 23 साल का था और चरवाहे का काम करता था। उसने उसी साल सजा के खिलाफ अपील की थी।

कोर्ट ने क्या कहा : केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस एसएम मोडक की सिंगल जज बेंच पाया किया कि उत्पीड़न के आरोप पति द्वारा अपनी पत्नी के काले रंग का मजाक उड़ाने और फिर से शादी करने की धमकी देने तक सीमित थे। वहीं, ससुर पर आरोप था कि उसने बहू के खाना पकाने के कौशल की आलोचना की। कोर्ट ने कहाकि इन्हें वैवाहिक जीवन के झगड़े कहा जा सकता है। ये घरेलू झगड़े हैं। यह ऐसा भी नहीं था कि इससे आत्महत्या को उकसावा मिले।

मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के जस्टिस ने कहा कि अभियोजन पक्ष सीधे तौर पर आरोपित उत्पीड़न और आत्महत्या के बीच संबंध स्थापित करने में विफल रहा। कोर्ट ने कहा कि उत्पीड़न हुआ था, लेकिन यह वह प्रकार का उत्पीड़न नहीं था जिसके कारण आपराधिक कानून को लागू किया जा सके। यह भी कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने और आत्महत्या दोनों को दोषसिद्धि के लिए स्वतंत्र रूप से साबित करना होगा। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आलोचना की कि उसने विवाहित महिला के प्रति क्रूरता के तहत दी गई व्याख्या का गलत उपयोग किया।

अमरनाथ यात्रा सुचारू रूप से जारी, अब तक 3.6 लाख से अधिक लोगों ने किए दर्शन

श्रीनगर , एजेंसी। अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से जारी है। 22 दिनों में 3.6 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अमरनाथ यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और पिछले 22 दिनों में 3.6 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। इसके साथ ही 2,324 यात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में घाटी के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 34 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला 741 यात्रियों को लेकर सुबह 3:25 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 58 वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला 1,583 यात्रियों को लेकर सुबह 3:45 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी।

180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने

सुरक्षित कर लिया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां लाई गई हैं। पूरे मार्ग को सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वाले लोग चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी से होकर गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं और 46 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करते हैं। तीर्थयात्रियों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं। वहीं, छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है।

जाति सर्वे का असर, हर उप-जाति को मिलेगा विशेष लाभ, बड़ी तैयारी में तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना सरकार ने हाल ही में किए गए व्यापक जाति सर्वेक्षण के आधार पर एक अभूतपूर्व कदम उठाने की योजना बनाई है, जिसके तहत प्रत्येक उप-जाति के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए लाभ और योजनाएं प्रदान की जाएंगी। जातिगत सर्वेक्षण के आधार पर अब राज्य की 59 अनुसूचित जातियों (एससी) और 33 अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्तर पर वित्तीय सहायता जैसी सुविधाएं विशेष रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। इन योजनाओं को हर जाति और उपजाति की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक का ध्यान मुख्य रूप से सबसे बड़ी अनुसूचित जाति 'मडिगा' और उसके बाद 'माला' उपजाति पर केंद्रित रहा था, लेकिन नई रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि शेष 57 उपजातियां अब भी काफी पिछड़ी हुई हैं। इस आधार पर सरकार अब इन उपेक्षित जातियों के लिए 'कस्टमाइज्ड स्कीम्स' लागू करेगी। इसी तरह की योजनाएं 134 पिछड़ी जातियों (बीसी) की लगभग 50 उपजातियों के लिए भी तैयार की जाएंगी। यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुधर्शन रेड्डी की अध्यक्षता वाली 11 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार की गई 300 पन्नों की रिपोर्ट के बाद सामने आई है, जिसे हाल ही में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सौंपा गया।

डिप्टी सीएम ने दी जानकारी : राज्य के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क (वित्त एवं योजना, ऊर्जा मंत्री) ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, यह रिपोर्ट केवल आंकड़े नहीं है, बल्कि यह हर समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की गहरी झलक देती है। हमें अब हर जाति और परिवार स्तर तक विशिष्ट समाधान तैयार करने होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जातियों की संख्यात्मक ताकत के आधार पर सरकार न केवल योजनाएं बनाएगी, बल्कि शिक्षा, रोजगार में आरक्षण, व्यक्तिगत वित्तीय सहायता और राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक में भी इसे ध्यान में रखा जाएगा- यहां तक कि मंडल और जिला परिषद की सीटों तक। कुछ चौंकाने वाले खुलासे भी जातिगत सर्वे में कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में पिछड़ी जातियों (बीसी) की जनसंख्या 56 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। इसी आधार पर राज्य सरकार ने 11 जुलाई को दो विधेयक पारित किए थे- एक स्थानीय निकायों में पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का, और दूसरा शिक्षा व रोजगार में 42 प्रतिशत आरक्षण देने का। इन विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए केंद्र को भेजा गया था। लेकिन सरकार को संकेत मिले कि राष्ट्रपति कार्यालय इन विधेयकों को मंजूरी नहीं देगा। इसके बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क और अन्य वरिष्ठ नेता दिल्ली रवाना हुए और एआईसीसी कार्यालय में प्रेजेंटेशन देकर दबाव बनाने की कोशिश की। इसके अलावा, एक और रोचक तथ्य यह रहा कि करीब 4 प्रतिशत लोगों ने खुद को 'जातिविहीन' घोषित किया है।

भारतीय खिलाड़ी ने संन्यास की कर दी घोषणा, इंटरनेशनल क्रिकेट में बनाए कुल इतने रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। लेकिन उन्होंने कहा है कि वह किसी दूसरी भूमिका में खेल के साथ जुड़ी रहेंगी। कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर अर्जुन होयसला से

शादी करने वाली 32 साल की वेदा आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान देश के लिए खेली थीं। वेदा कृष्णमूर्ति अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रही हैं। उन्होंने पिछले साल वुमेंस प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स के लिए खेला था। वह कर्नाटक और रेलवे की कप्तानी कर चुकी हैं। महिला टी-20 मैचों में किसी गैर-विकेटकीपर द्वारा सबसे ज्यादा कैच लेने का संयुक्त रिकॉर्ड उनके नाम है। वेदा पहले से ही कमेंट्री कर रही हैं। वेदा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि एक छोटे शहर की बड़े सपने रखने वाली लड़की से लेकर गर्व से भारतीय टीम की जर्सी पहनने तक, क्रिकेट ने मुझे जो भी सबक और यादें दी हैं, उनके लिए आभारी हूं। अब खिलाड़ी के तौर पर खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है, लेकिन खेल को नहीं। मेरे माता-पिता और भाई-बहनों, विशेषकर मेरी बहन को मेरी पहली टीम और मेरी ताकत बनने के लिए धन्यवाद। उन्होंने बीसीसीआई , केएससीए, रेलवे और केआईओसी, कोचों और कप्तानों को भी धन्यवाद दिया।

अरविंद चितांबरम बने 58वें बील शतरंज महोत्सव के उपविजेता

बील ,स्विट्ज़रलैंड, एजेंसी। 58वें बील शतरंज महोत्सव के ग्रांडमास्टर ट्रायथलॉन में स्लोवेनिया के ग्रांडमास्टर व्लादिमीर फेडोसीव ने खिताब अपने नाम कर लिया है । अंतिम राउंड में

फेडोसीव ने यूएई के ग्रांड मास्टर सालेम सालेह को हराया, जबकि भारत के ग्रांडमास्टर अरविंद चितांबरम ने विश्व रैपिड चैंपियन रूस के वोलोदार मुरजिन से ड्रॉ खेला। दोनों खिलाड़ियों ने समान 28.5 अंक बनाए, पर फेडोसीव ने फ्रीस्टाइल शतरंज स्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टाई-ब्रेक से खिताब जीता। अरविंद को दूसरा स्थान मिला। सालेम सालेह 24.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले चैलेंजर्स वर्ग में ग्रीस के ग्रांडमास्टर निकोलस थियोडोरू ने एक राउंड पहले ही खिताब अपने नाम कर लिया था। उन्होंने कुल 33.5 अंक हासिल किए। आर्मेनिया के अराम हाकोब्यान 28.5 अंकों के साथ दूसरे और कजाकिस्तान के रिनात जुमाबायेव 20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उधर मास्टर्स टूर्नामेंट में भारत के पूर्व राष्ट्रीय चैम्पियन ग्रांडमास्टर कार्तिकेयन मुरली ने 10 में से 8 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया, जबकि ग्रांड मास्टर प्रणव आनंद 7.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

अनहत ने विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता; अटवाल सीनियर ओपन में संयुक्त पांचवें स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर अनहत जीत जातीं तो 2005 में जोशना चिनप्पा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद महिला व्यक्तिगत वर्ग में फाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी भारतीय बन जातीं। युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनहत सिंह शुक्रवार को कैरो में विश्व

स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप के महिला एकल सेमीफाइनल में मिस्र की नाडिएन एलहमामी से हार गईं जिससे उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी लेकिन अंत में मिस्र की खिलाड़ी से 6-11, 12-14, 10-12 से हार गईं। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही 17 वर्षीय अनहत 2010 में दीपिका पल्लीकल के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं थीं। अगर वह जीत जातीं तो 2005 में जोशना चिनप्पा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद महिला व्यक्तिगत वर्ग में फाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी भारतीय बन जातीं।

टिम डेविड ने रचा इतिहास

महज 37 गेंदों में टी20 शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में टिम डेविड ने तूफानी शतक जड़ते हुए इतिहास रच दिया। टिम डेविड ने सेंट किट्स में महज 37 गेंदों में शतक पूरा किया।

इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए। यह टिम डेविड का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला शतक रहा। वार्नर पार्क में टिम डेविड ने 16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसके साथ वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज टी20 फिफ्टी जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड मार्कस स्टोइनिस के नाम था, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप-2022 में श्रीलंका के खिलाफ 17 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। इसके बाद टिम डेविड ने 37 गेंदों में शतक जड़ते हुए जोश इंग्लिस के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इंग्लिस ने छह सितंबर 2024 को स्कॉटलैंड के विरुद्ध 43 गेंदों में टी20 शतक पूरा किया था। टिम डेविड के टी20 रिकॉर्ड को देखें, तो दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 56 मुकाबलों में 36.19 की औसत के साथ 782 रन बनाए, जिसमें एक शतक के अलावा छह अर्धशतक भी शामिल हैं।

मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने चार विकेट खोकर 214 रन बनाए। मेजबान टीम के लिए शाई होप ने कप्तानी पारी खेलते हुए 57 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाए, जिसमें छह छक्के और आठ चौके शामिल रहे।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टिम डेविड को नाबाद शतकीय पारी के चलते प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 128 रन की अटूट साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज का शुरुआती मुकाबला तीन विकेट से अपने नाम किया था, जिसके बाद उसने दूसरे टी20 मैच को आठ विकेट से जीता। 3-0 से लीड के साथ ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर अपना कब्जा कर चुका है।

स्टीव स्मिथ की इंग्लैंड क्रिकेट टीम को चेतावनी, मुश्किल समय के लिए तैयार रहें

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज घरेलू मैदान पर सपाट पिचों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज में बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक बिल्कुल अलग चुनौती होगी और दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने उन्हें चेतावनी दी है। भारत-इंग्लैंड के बीच मौजूदा श्रृंखला में बल्लेबाजी की सहजता बहस का विषय बन गई है और स्मिथ का मानना है कि ब्रिटिश बल्लेबाजों को बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों की आदत नहीं डालनी चाहिए।

दोनों टीमें कम से कम एक बार एक पारी में 500 से अधिक रन बनाने में सफल रही हैं और लगातार 400 से अधिक रन बनाए हैं। स्मिथ के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, उनके (इंग्लैंड के) बल्लेबाजों को इंग्लैंड में पिछले कुछ समय से देखी जा रही पिचों की तुलना में थोड़ी अलग चुनौती मिलेगी, जो काफी सपाट और बल्लेबाजी के लिए अच्छी रही हैं।

स्मिथ ने कहा, पिछले तीन-चार सालों में ऑस्ट्रेलिया के विकेट शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल रहे हैं। यह उनके लिए एक अच्छी चुनौती होगी।

आईपीएल ने सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि हर क्रिकेटर की मदद की: ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अपने करियर और आधुनिक क्रिकेट के स्वरूप को बदलने वाला एक शानदार मंच बताया है। अपनी आईपीएल जर्नी को याद करते हुए ब्रावो ने कहा कि यह लीग न केवल उन्हें, बल्कि दुनियाभर के क्रिकेटर्स को आर्थिक रूप से और स्किल्स को डेवलप करने के लिहाज से जबरदस्त फायदा पहुंचा चुकी है। आईपीएल ने पेशेवर क्रिकेट की दुनिया को एक नया आयाम दिया है।

ब्रावो ने कहा, आईपीएल ने सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि आज के हर क्रिकेटर की मदद की है, चाहे वह आर्थिक रूप से हो, या स्किल के स्तर पर। मुझे गर्व है कि मैंने दो सबसे सफल फ्रेंचाइजी के लिए खेला और मुझे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता है। ब्रावो ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन किया। वह मुंबई इंडियंस का भी हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल इतिहास के सबसे सफल विदेशी खिलाड़ियों में शामिल ब्रावो अपनी खास शैली, डेथ ओवर की गेंदबाजी में महारत और शानदार खेल के लिए जाने जाते हैं।

बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम सेफ नहीं!

जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, महिला वर्ल्ड कप और IPL मैचों पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत के बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में विक्ट्री परेड हुई थी. विक्ट्री परेड के दौरान ही चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोग मारे गए थे. जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे. चिन्नास्वामी भगदड़ की जांच के लिए जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया था.

इस न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को कर्नाटक कैबिनेट ने हाल ही में मंजूरी दी थी. न्यायिक आयोग की रिपोर्ट में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. रिपोर्ट में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को बुनियादी रूप से असुरक्षित करार दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम की मौजूदा संरचना बड़े आयोजनों के लिए अनुपयुक्त और खतरनाक है. स्टेडियम में ना तो पर्याप्त एंट्री/एग्जिट गेट्स हैं, ना ही इस स्टेडियम के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का आपातकालीन निकासी प्लान है.

स्टेडियम के आसपास की सड़कें काफी व्यस्त हैं.

वर्ल्ड कप और आईपीएल मैचों पर संशय!

चिन्नास्वामी स्टेडियम में महिला वर्ल्ड कप 2025 के कम से कम 4 मुकाबले होने हैं. अगर पाकिस्तानी टीम इस टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंचती है तो खिताबी मुकाबला भी यहीं खेला जाएगा. साथ ही चिन्नास्वामी स्टेडियम अगले साल आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) और डब्ल्यूपीएल (वूमेन्स प्रीमियर लीग) मैचों की मेजबानी करने वाला है. हालांकि इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब इस वेन्य पर इंटरनेशनल और अन्य मुकाबलों के आयोजन पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है.

डीसी ओपन: सेमीफाइनल में एम्मा रादुकानू और लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में

वाशिंगटन, एजेंसी। मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में एम्मा रादुकानू ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए तीन साल बाद किसी डब्ल्यूटीए हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने मारिया सक्कारी को दो घंटे दस मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-4, 7-5 से हराया, हालांकि मैच की शुरुआत में वह पिछड़ गई थीं।

यह वॉशिंगटन में रादुकानू का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके साथ ही सक्कारी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 4-0 हो गया है। अब रादुकानू का सामना रूस की अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। डब्ल्यूटीए में, कनाडा की लेयला फर्नांडीज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराया। फर्नांडीज ने दूसरे सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की और एक सेट प्वाइंट बचाकर 2021 यूएस ओपन में उपविजेता रहने के बाद अपने सबसे बड़े हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मैग्डेलेना फ्रेच को सीधे सेटों में आसानी से हराया।

पुरुष वर्ग में मुबाडाला सिटी डीसी ओपन का दिन भी जबरदस्त एक्शन से भरा रहा, जहां दो खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री की। बेन शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने एक जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए फ्रांसेस टियाफो को 7-6(2), 6-4 से शिकस्त दी। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने आक्रामक फोरहैंड्स और बेखौफ सर्विंग से मुकाबले पर पूरी तरह कब्जा जमाया। वॉशिंगटन में यह उनका लगातार दूसरा सेमीफाइनल है। इसके साथ ही उन्होंने नई करियर-हाई एटीपी रैंकिंग नंबर-7 भी पक्की कर ली है। अब सेमीफाइनल में उनका सामना टेलर फ्रिट्ज और एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के बीच मुकाबले के विजेता से होगा। दिन की एक और बड़ी चौंकाने वाली जीत फ्रांस के कोरेंटिन माउटे के नाम रही, जिन्होंने वर्ल्ड नंबर 14 डेनिल मेदवेदेव को 1-6, 6-4, 6-4 से हराकर सबको चौंका दिया।

फुटबॉल:

मेजर लीग सॉकर में हाईवोल्टेज ड्रामा, मेसी एक मैच के लिए निलंबित, उनकी टीम इंटर मियामी ने विरोध जताया

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी। इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है। लियोनेल मेसी और जोर्डी अल्बा को ऑल स्टार मैच में भाग नहीं लेने के कारण मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है जिसका उनके क्लब इंटर मियामी ने विरोध किया है।

इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है। मेसी और अल्बा ने एमएलएस और मैक्सिको के लीगा एमएक्स के बीच मैच के लिए टीम में चुने जाने के बावजूद हिस्सा नहीं लिया था। मेसी व्यस्त कार्यक्रम के बीच आराम करने के लिए नहीं खेले और अल्बा अपनी पिछली चोट से जूझ रहे हैं।

मास ने कहा कि क्लब ने मेसी और अल्बा को ऑल-स्टार मैच से बाहर रखने का फैसला किया। एमएलएस के नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो लीग से अनुमति लिए बिना ऑल स्टार मैच में नहीं खेलता उसे एक मैच के लिए निलंबित कर दिया जाता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान

बाबर आजम बाहर

लाहौर, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज 2-1 से गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। पीसीबी ने दोनों सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा कर दी है।

टी20 टीम से एक बार फिर पूर्व कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को बाहर रखा गया है। वहीं, शाहीन अफरीदी की टी20 टीम में वापसी हुई है। अफरीदी के साथ ही हारिस रऊफ और हसन अली भी टी20 टीम में लौट आए हैं। इन तीनों की वापसी से पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी मजबूत होगी। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टी20 टीम से बाहर रखना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पीसीबी छोटे फॉर्मेट में इनसे आगे बढ़ने की सोच चुकी है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजावन ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच 14 दिसंबर 2024 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। सलमान अली आगा टी20 में कप्तान हैं तो वनडे में उपकप्तानहैं। वनडे में मोहम्मद रिजवान की कप्तानी बरकरार है। फखर जमान वनडे और टी20 दोनों ही सीरीज में शामिल हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सलमान मिर्जा और दाएं हाथ के गेंदबाज अहमद दानियाल को छोटे फॉर्मेट से बाहर कर दिया गया है।

वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच 3 टी20 मैचों की सीरीज 1 से 4 अगस्त के बीच फ्लोरिडा में खेली जानी है। वहीं, दोनों देशों के बीच 8 से 12 अगस्त तक वनडे सीरीज त्रिनिदाद एंड टोबैगो के ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ पाकिस्तान की टी20 टीम:

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेट कीपर), मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान (विकेट कीपर), सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम।

वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान की वनडे टीम:

मोहम्मद रिजवान (कप्तान), सलमान अली आगा (उप-कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम।

अफसर रैंडमली उपभोक्ताओं की कर रहे तस्दीक

भोपाल। राज्य सरकार ने बारिश को देखते हुए यह सहूलियत दी थी कि उपभोक्ताओं को जून, जुलाई और अगस्त माह का राशन (तीन महीने) एकमुश्त दे दिया जाए। सरकार के निर्देश के बाद पीडीएस दुकानों से राशन बांट दिया गया। लेकिन यह भी शिकायत मिली कि कई दुकानदारों ने पूरा राशन नहीं दिया। इस बात की जानकारी लगने के बाद खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी के अफसरों ने डोर-टू-डोर जांच शुरू कर दी है। अफसर दुकानों के हिसाब से रैंडमली उपभोक्ताओं के घरों पर पहुंचकर सवाल पूछ रहे हैं कि आपको पूरा तीन महीने का राशन मिला या नहीं। इसके तहत शनिवार को खाद्य अधिकारियों ने बीपीएल और पात्रता परिवारों के घर जाकर उनसे तीन महीने का एकमुश्त राशन लेने की जानकारी ली। उपभोक्ताओं से राशन की मात्रा के बारे में भी जानकारी ली जा रही है। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि जिले के 3 लाख 42 हजार परिवारों के 14 लाख 48 हजार उपभोक्ताओं को पीडीएस का राशन दिया गया है। जून से लेकर अब तक शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र की पीडीएस दुकानों से 102 फीसदी राशन बांटा गया है। दरअसल, इस बार राशन में गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद खाद्य विभाग ने दुकानों की निगरानी शुरू की थी। 81 हजार की ईकेवायसी नहीं जिले में अब तक करीब 81 हजार लोग ऐसे हैं जिन्होंने आधार की ई-केवायसी नहीं कराई है।

लगातार बारिश से बड़ा तालाब का बढ़ा लेवल

राजधानी में औसत से 4 इंच ज्यादा बारिश दर्ज

भोपाल। राजधानी भोपाल में तेज बारिश का दौर शुक्रवार देर शुरू हुई, जो शनिवार दोपहर 12 बजे तक जारी रही। मौसम विभाग के अनुसार रात से अब तक डेढ़ इंच पानी गिर गया। जिससे बड़े तालाब में भी पानी बढ़ा है। हमीदिया रोड,अल्पना तिराहे, भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 की ओर सडक पर एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। जिससे हजारों लोगों को पानी में से गुजरना पड़ा। जानकारी के लिए बता दें कि पहले भी इन क्षेत्रों में पानी भर चुका है लेकिन नगर निगम के अधिकारी इसको कंट्रोल नहीं कर पाए हैं। अगर और तेज बारिश होती है तो स्थिति और खराब हो सकती है। राजधानी भोपाल में अब तक 19.7 इंच बारिश हो चुकी है, जो अब तक की औसत बारिश 15.8 इंच से करीब 4 इंच ज्यादा है। शुक्रवार देर रात शहर में तेज बारिश शुरू हुई, जो शनिवार दोपहर 12 बजे तक चलती रही। भोपाल के डैम अभी भी खाली- अभी तक भोपाल के तालाब और डैम में ज्यादा पानी नहीं बढ़ा, लेकिन अब फिर से तेज बारिश शुरू हुई है। ऐसे में अगस्त के पहले सप्ताह तक अच्छा पानी आ सकता है। बारिश की वजह से बड़े तालाब के जलस्तर में 0.2 फीट की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर, कोलार, कलियासोत और केरवा डैम अभी काफी खाली है। ये तीनों ही पिछले साल जुलाई में ही ओवरफ्लो हो गए थे। बड़ा तालाब भी लबालब भर गया था। बतादें कि सीहोर में तेज बारिश होने से कोलांस नदी उफान पर आएगी, जिससे बड़े तालाब में पानी और बढ़ेगा। यहां भी तेज बारिश की दरकार है। भोपाल के जलस्त्रोतों की स्थिति बड़ा तालाबः इसकी जलभराव क्षमता 1666.80 फीट है। अभी इसमें 1660.40 फीट पानी है। इसे पूरा भरने में अभी 6.40 फीट पानी की और जरूरत है। पिछली बार बड़ा तालाब जुलाई में ही भर गया था, लेकिन इस बार अभी भी खाली है। कलियासोत डैमः कलियासोत डैम का अभी वॉटर लेवल 1649.27 फीट है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1659.02 फीट है। इसके चलते डैम अभी भी 10 फीट खाली है। बड़ा तालाब के गेट खुलने पर कलियासोत डैम में पानी आएगा और गेट खुल जाएंगे। केरवा डैमः कुल 1673 फीट वाले केरवा डैम में अब तक 1653.08 फीट पानी आ चुका है। तेज बारिश होने के बाद डैम में पानी का लेवल बढ़ जाएगा। कोलार डैमः कोलार डैम का वॉटर लेवल 1516.40 फीट है। अभी इसमें 1491.53 फीट पानी जमा है। इस हिसाब से यह काफी खाली है। कोलार डैम से ही भोपाल शहर के 40प्रति. हिस्से में पानी की सप्लाई की जाती है। पिछली बार जुलाई में इसके गेट खोलने पड़े थे।

सार समाचार

सीईआईआर पोर्टल की मदद से 4 लाख के गुम हुए 15 मोबाइल बरामद

भोपाल। थाना बागसेवनिया पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से 15 गुम मोबाइल बरामद करते हुए उनके मालिको को लौटाये है। अपने फोन पाने की उम्मीद खो चुके लोगो को जब उनके फोन वापस मिले तब उनके चेहरे पर मुस्कान आ गई। थाना प्रभारी थाना बागसेवनिया अमित सोनी ने जानकारी देते हुए बताया की इलाके में कई स्थानों से मोबाइलों गुम होने पर आवेदकों ने लिखित आवेदन पुलिस को दिया था। इसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस साइबर पोर्टल पर गुम मोबाइल को सर्चिंग हेतु डाला गया। सर्चिंग के दौरान साइबर टीम ने गुम हो चुके मोबाइलो की अपडेट जानकारी हासिल करते हुए कई नंबरों को ट्रैक कर 15 मोबाइल फोन बरामद किए। अपने गुमे हुये फोन वापस मिलने पर फरियादियों के चेहरे पर रौनक आ गई। गुम मोबाइल वापस पाने में निरीक्षक अमित सोनी, उनि संजय दुबे, प्रआर सर्वेश सिंह, प्रआर नितिन खरे, प्रआर महेश सोनी, आरक्षक मिलन शर्मा, आर आशीष गौर, आर सत्यभान गुर्जर, आर अभय यादव, आर अवतार गुर्जर, आर सुजीत तिवारी की सराहनीय भुमिका रही।

डेढ़ लाख की रकम लेकर चंपत हो गया पेट्रोल पंप कर्मचारी

भोपाल। देहात इलाके के बिलखिरिया थाना क्षेत्र में स्थित एक पेट्रोल पंप पर काम करने वाला युवक नाइट ड्यूटी के दोरान आई सेल की रकम में से डेढ़ लाख रूपए लेकर रफुचक्कर हो गया। पेट्रोल पंप संचालक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत का प्रकरण दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ऑन लाइन गेम में काफी रकम हार गया है। थाना पुलिस ने बताया की रेलवे कॉलोनी शाहपुरा में रहने वाले राहुल शर्मा पुत्र सुरेन्द्र पार्मा (35) ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की वह बायपास रोड पर गोकुल फ्यूल सर्विस नाम से पेट्रोल पंप संचालित करते है। उनके पैट्रौल पंप पर ऊची तलोई बैरसिया निवासी सूरज सिंह गुर्जर सेल्समेन की नोकरी करता था। इन दिनों उसकी नाइट ड्यूटी चल रही थी। गुरुवार-शुक्रवार की रात पंप पर पेट्रोल-डीजल की बिक्री से करीब डेढ़ लाख रूपए आये थे। ड्यूटी खत्म होने के बाद सेल्समेन इस पैसे को पंप पर जमा करने के बजाए अपने साथ लेकर गायब हो गया। काफी प्रयास करने पर भी जब उससे कोई संपर्क नहीं हो सका और न ही वह वापस लौटा तब इसकी शिकायत उन्होनें पुलिस थाने में की।

मोबाइल पर हाथ साफ करने वाले आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले एक किशोर सहित दो आरोपियो को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के दो लाख कीमत के 13 मोबाइल जब्त किए है। पकड़े गये आरोपियो में एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस के अनुसार फरियादी ग्राम बगली, रिगालिया कालोनी, मिसरोद निवासी पंकज चौरासे (32), यूथ हास्टल के पीछे, बाणगंगा टीटी नगर में रहने वलो निर्देश पटेल और अभिषेक पिता नीलकांत कनाडे (32) ने अपने मोबाइल चोरी होने की शिकायत की थी। मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियो का सुराग जुटाने के लिये घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। फुटेज में पुलिस को दो संदिग्ध नजर आए। उनके हुलिये और मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने दोनो संदेहियों को उस समय दबोच लिया जब वह चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में इलाके में घूम रहे थे।

चार साल से नहीं खुला कर्मचारी आयोग का ताला

कर्मचारियों की समस्याएं नहीं पहुंच पा रही शासन तक

इस समस्या से सरकार को भी अवगत करा दिया गया है। तत्काल अध्यक्ष सहित सदस्यों की नियुक्ति होना चाहिए। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में जब कमलनाथ सरकार बनी थी, तब इस आयोग का गठन किया गया था।

भोपाल। कर्मचारियों की मांगों पर सीधे फैसला लेने, कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों, सेवा शर्तों के साथ सरकार से कार्यप्रणाली में सुधार की सिफारिशें करने के लिए गठित कर्मचारी आयोग में पिछले चार साल से ताला लटका हुआ है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि कर्मचारियों की समस्याएं शासन तक नहीं पहुंच पा रही है। प्रदेश के लाखों सरकारी सेवकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए इसे बनाया गया था। पद संरचना के अनुसार पूरा स्टॉफ है, जो एक प्रकार से कागजों पर काम कर रहा है। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव का कहना है कि आयोग को शुरू करने के लिए सरकार के समक्ष पक्ष रखा गया है। यह आयोग प्रचलन में आना चाहिए। इस समस्या से सरकार को भी अवगत करा दिया गया है। तत्काल अध्यक्ष सहित सदस्यों की नियुक्ति होना चाहिए। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में जब कमलनाथ सरकार बनी थी, तब इस आयोग का गठन किया गया था। इसका बाकायदा फाइनेंस डिपार्टमेंट की 12 दफ्तर के पास बिल्डिंग में कार्यालय शुरू हुआ था। इसके लिए जो आदेश जारी हुआ था उसमें अध्यक्ष सहित सदस्यों का एक साल का कार्यकाल था। प्रारंभिक दौर में पूर्व आईएएस और जज को बतौर सदस्य नियुक्त किया गया। अजयनाथ का कार्यकाल खत्म होने के बाद आईएएस जेपी सिंघल को चेयरमेन नियुक्त किया गया। अजयनाथ को इस आयोग का अध्यक्ष बनाया था। जबकि कर्मचारी कांग्रेस के अध्यक्ष वीरेन्द्र खोंगल, ईएनसी पीडब्लयूडी एवं एक रिटायर्ड कमलनाथ सरकार जाने के बाद अब इस कार्यालय में 2021 से ताला डला हुआ है, जो स्टॉफ है, वह मंत्रालय में बैठकर काम कर रहा है। इसमें अध्यक्ष से लेकर सभी सदस्यों का कार्यकाल भी समाप्त हो चुका है। अब कर्मचारी ही कहते हैं कि उनकी समस्याएं शासन तक पहुंचाने का कोई सशक्त प्लेटफार्म नहीं है। मंत्रालय में सरकार की कर्मचारी कल्याण समिति में दो साल से किसी भी चेयरमेन की नियुक्ति नहीं हुई है। 6 माह तक चली कमीशन की बेंच जब सरकार ने कर्मचारी आयोग का गठन किया था, तब 6 माह तक इस कमीशन की बेंच चली। प्रतिदिन मान्यता और गैर मान्यता प्राप्त कर्मचारियों के 6 संघों को बुलाया जाता था। इसमें 40 से अधिक मांगों पर सुनवाई भी हुई। इसमें विभिन्न कर्मचारी संवर्गों की वेतन विसंगतियों को दूर करने, केन्द्र के समान सुविधाएं, पदोन्नति, क्रमोन्नति, अनुकंपा नियुक्ति, ग्रेच्युटी, दैवेभो स्थाई कर्मियों का नियिमतीकरण, पंचायत सचिवों रोजगार सहायकों, अतिथि शिक्षकों को सम्माजनक वेतनमान, संविदा कर्मियों को नियमित सेवकों की भाति सुविधा, पेंशनरों के स्वत्वों का समय-सीमा में निराकरण सहित कई मांगों पर सुनवाई हुई थी। इसके बाद शासन से मांगों का समाधान कराने संक्षेपिका तैयार की गई थी। कर्मचारियों ने सीएम के सामने रखी बात मौजूदा सरकार के समर्थित संघों ने आयोग को तत्काल शुरू कराने दबाव बनाया है। इस संबंध में राज्य कर्मचारी संघ ने मुख्य सचिव से मुलाकात की है। पिछले दिनों राज्य कर्मचारी संघ के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत तौर पर भी संघ पदाधिकारियों ने आग्रह किया था।

15 अगस्त तक तय होगा कमर्शियल संचालन का समय

भोपाल मेट्रो को आरडीएसओ की रिपोर्ट का इंतजार

भोपाल। राजधानी भोपाल में मेट्रो रेल सेवा अब कमर्शियल संचालन के एक कदम और करीब पहुंच गई है। 9 जुलाई से 21 जुलाई तक मेट्रो का अंतिम तकनीकी परीक्षण पूरा हो चुका है और अब निगाहें रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट पर टिकी हैं, जो 15 अगस्त तक आने की उम्मीद है। इसी रिपोर्ट के आधार पर यह तय होगा कि मेट्रो का अगला परीक्षण मेट्रो रेलवे सेफ्टी कमिश्नर के निरीक्षण के लिए हरी झंडी मिलेगी या नहीं। सीएमआरएस के निरीक्षण के बाद भोपाल में एम्स से सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के बीच अक्टूबर तक मेट्रो का कमर्शियल संचालन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हुआ परीक्षण आरडीएसओ की टीम ने मेट्रो को विभिन्न तकनीकी मानकों पर जांचा, जिनमें 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल, मोड़ वाले ट्रैक पर संतुलन परीक्षण, आपातकालीन ब्रेकिंग दूरी, और गाड़ी की स्थिरता व गुणवत्ता जैसे बिंदु शामिल थे। हर कोच में लगभग 300 यात्रियों के वजन के बराबर बोरे रखकर वास्तविक भार की स्थिति के साथ परीक्षण किया गया। तीन डिब्बों वाली ट्रेन में 900 यात्रियों की क्षमता भोपाल मेट्रो की प्रत्येक ट्रेन में तीन कोच होंगे और यह लगभग 900 यात्रियों (50 बैठने व 250 खड़े होने की क्षमता प्रति कोच) को ले जाने में सक्षम होगी। परीक्षण के दौरान मेट्रो को सुभाष नगर डिपो से एम्स तक के एलिवेटेड रूट पर चलाया गया। अक्टूबर में हो सकती है शुरूआत अगर आरडीएसओ की रिपोर्ट मानकों पर खरी उतरती है तो मेट्रो को सीएमआरएस निरीक्षण के लिए अनुमति मिल जाएगी। इसके बाद मेट्रो का कमर्शियल संचालन का रास्ता साफ होगा। अधिकारियों ने अक्टूबर तक मेट्रो सेवा की शुरूआत का लक्ष्य रखा है। पहले चरण में मेट्रो सेवा सुबाष नगर से एम्स के बीच आठ एलिवेटेड स्टेशनों पर संचालित होगी।

भोपाल में भी हो सकती है राजस्थान जैसी घटना

भोपाल। राजस्थान के झालावाड़ में 2 दिन पहले सरकारी स्कूल की बिल्डिंग गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई है। राजधानी भोपाल में भी कई सरकारी स्कूलों की बिल्डिंग के जर्जर हो चुकी हैं। स्कूलों में टपकते पानी के बीच बच्चों की जान जोखिम में डालकर उन्हें स्कूल में पढ़ाया जा रहा है। अमर उजाला की टीम ने राजधानी की दो बड़े स्कूलों का जायजा लिया जहां स्थिति बहुत ही खराब है। जहां शा.हमीदिया कन्या हाई सेकेंडरी स्कूल की बिल्डिंग 200 साल पुरानी है। वहीं शा. कन्या सुल्तानिया उमावि स्कूल की बिल्डिंग भी बहुत पुरानी है और स्थिति काफी खराब है। यहां की एक क्लास में पानी टप रहा था और वहीं बच्चों की जान जोखिम में डालकर वहां उन्हें बैठाया गया था। दोनों ही स्कूलों के अधिकारियों का कहना है कि हमने कई बार पत्र लिखकर बिल्डिंग सुधारने का आग्रह किया है। जबकि भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी का कहना है कि शहर की 7 हाई सेकेंडरी स्कूलों की बिल्डिंग जर्जर हो गई है। जिसके लिए हमने बजट मांगा है, जल्दी इन्हें सुधरा जाएगा। शा. कन्या सुल्तानिया उमावि स्कूल की इमारत पूरी तरह जर्जर हालत में है, छत से पानी रिस रहा है। पिलर टूट चुके हैं। दीवारों में बड़ी दरारें हैं। बिजली के खुले तारों से करंट का खतरा है। शौचालय गंदगी और टूट-फूट की हालत में हैं। कई कमरों की छतों का प्लास्टर भी गिर रहा है। यहां के अधिकारियों का कहना है कि हमने सरकार को इसे लेकर कई बार लिखा है।

नहीं मिल रहा बजट

शा.हमीदिया कन्या हाई सेकेंडरी स्कूल यह सदर मंजिल के भवन में संचालित हो रहा है। महल की दीवार बाहर की तरफ झुक गई है, जो कभी भी ढह सकती है। यहां कमरों की छत से पानी टपकता है। स्कूल की प्राचार्य विमला शाह, ने बताया कि भवन की मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजा है। उन्होने बताया कि यह भवन 200 साल पूराना है। ऊपर सीट लगीं है इस लिए बारिश में पानी में टपकता है। बजट हमेशा कम मिलाता है इसलिए पूरा काम नहीं हो पाता है। उन्होने बताया कि हमने एक बार 30 लाख मांगा था जिसमें केवल 2 लाख मिले थे।

हाल की घटना ने बढ़ाई चिंता

हालही में भोपाल के एक अन्य सरकारी स्कूल में छत का प्लास्टर गिरने से एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इस घटना ने सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों और प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया था। इसके बावजूद, शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब राजस्थान की घटना ने बच्चों को अंदर डर भर दिया है। भोपाअल की स्कूल में मौजूद बच्चों ने बताया कि उन्हें यहां बठ कर पढने में डर लगता है।

हेपेटाइटिस व लिवर की बीमारियाँ , कैसे बचे क्या करें

हेपेटाइटिस दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है क ताकि ये हमें याद दिलाता रहे की इस घातक बीमारी से हमे बचना है सारी सावधानी रखना है और इस धरती को हेपेटाइटिस मुक्त बनाना है, पर क्या यह संभव है ? आइये पहले कुछ आंकड़े समझ लेते हैं क हेपेटाइटिस यानी होता है लिवर की सूजन जो आमतौर पर वायरस इन्फेक्शन से होती है हालाँकि इसके अन्य कारण भी है जैसे शराब, कई किस्म की दवाइयां (एलोपैथी , होमियोपैथी या आयुर्वेदिक), कुछ अनुवांशिक बीमारियाँ या फिर Autoimmune Diseaseअगर हम अगर हम वायरस की बात करें तो पांच किस्म के वायरस होते हैं A,B,C, D & E इसमें से B & C की ये खासियत है कि यह शरीर में घर बना लेते हैं यानी Chronic Phase में चले जाते हैं और धीरे-धीरे लिवर को खराब कर देते है सिरोसिस या लिवर कैंसर में परिवर्तित हो जाते हैं के किसी व्यक्ति को कैसे पता चलेगा कि उसे हेपेटाइटिस हो गया है ? इसका मुख्य लक्षण है पीलिया, भूख न लगना, कमजोरी, उल्टी आना, हल्का बुखार इत्यादि क पर खास बात यह है कि हर पेशेंट में लक्षण नहीं होते, बहुत से लोग Asymptomatic होते हैं इन्हें सिर्फ टेस्ट के जरिए पकड़ा जा सकता है के हेपेटाइटिस बी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि विश्व के विकसित देशों में इस पर काबू पाया जा चुका है और हम अभी काफी पीछे हैं पहले यह समझ लेते हैं कि हेपेटाइटिस बी फैलता कैसे है यह होता है खून चढ़ाने से, सर्जरी के दौरान, इंजेक्शन, सिरिंज से या असुरक्षित यौन संबंधों से क पर एक सबसे महत्वपूर्ण जरिया है माँ से बच्चों को होने वाला इन्फेक्शनक आज भी क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी के ज्यादातर मरीजों को यह बीमारी मां के पेट से आती है यानी वर्टिकल ट्रांसमिशन और यह सब Asymptomatic होते हैं पर इनफेक्टिव होते हैं यानी यह संपर्क में आने वाली किसी भी व्यक्ति को संक्रमित कर सकते हैं इस समय विश्व में लगभग 40 करोड लोगों को हेपेटाइटिस बी है और इनमें से 95% को कोई लक्षण नहीं इस बीमारी का सबसे बड़ा चैलेंज यही है इसलिए इस वर्ष World Hepatitis day पर स्लोगन रखा गया है “Hepatitis let’s break it down” यानी हेपेटाइटिस से बचाव का इलाज के लिए ये सारे सामाजिक, प्रशासनिक व आर्थिक बंधनों को तोड़े और हेपेटाइटिस की जांच करवायें और शुरूआती स्टेज में इलाज करें, और जिनको नहीं है उनको टीके लगवाएं क ये बहुत ही अच्छा स्लोगन है क्योंकि हेपेटाइटिस इंतजार नहीं करता.....आप भी ना करें क लिवर की बीमारियों की पकड़ आसान है, ब्लड ब्लड टेस्ट जैसे LFT और सोनोग्राफी ही काफी है. इसके बाद अगर शंका हो तो Hepatitis Markers और लिवर डैमेज की शंका हो तो Fibroscan और एंडोस्कोपी क Fibroscan एक बेहद कारगर जांच है जिसमें 10 मिनट में लिवर डैमेज का पता लग जाता है और एंडोस्कोपी इन मरीजों के खून की उल्टी रोकने का अति उपयोगी साधन है क हेपेटाइटिस से बचने का मूल मंत्र है अन्य ऐसे कारण है जो लीवर को खराब कर सकते हैं जो इसमें मुख्य है शराब क इसका सेवन सीमित मात्रा में ही हो यानी सप्ताह में दो दिन से ज्यादा नहीं और 60 से ज्यादा नहीं क आज भी विश्व में लगभग 40% सिरोसिस (Liver Damage) के केस शराब के कारण है क परंतु ज्यादा चिंता अब है NAFLD की ! यानी वो बीमारी जिसमें व्यक्ति ने कभी शराब नहीं पी पर वह व्यायाम नहीं करता उसका वजन ज्यादा है या वो डायबिटिक है क इनको ठीक वैसे ही बीमारी होती जो कि शराब पीने वालों को होती है क इसका नया नाम MASLD है मतलब लिवर पर चर्बी जमा होती जाती है पर रिजल्ट वही है यानी सिरोसिस या लिवर डैमेज तो इससे बचने के लिए नियमित रूप से 45 मिनट या एक घंटा व्यायाम करें, अपना वजन बढने न दें, फास्ट फूड व तला या अधिक मीठा ना खाएं और अगर डायबिटिक है तो शुगर कंट्रोल रखें HBA1c 7.0 के नीचे रखें इसके अलावा और बहुत सी सावधानियां आवश्यक है जैसे बिना डाक्टरी सलाह के अनावश्यक दवाओं का इस्तेमाल न करें, बहुत सी दवाएं Hepatotoxic होती तो आइये इस हेपिटाइटिस डे पर संकल्प लेते हैं लिवर की हेल्थ के लिए सब प्रयास करेंगे, जागरूक होंगे, Vaccination कराएँगे नियमित रूप से व्यायाम करेंगे मद्यपान से बचेंगे बिना डाक्टरी सलाह के दवाई नहीं लेंगे क कोई भी समस्या होने पर जांच में देरी नहीं करेंगे जानकारी ही बचाव है, लिवर की बीमारियों को समझेंक हेपेटाइटिस मुक्त भारत बनाने की Gastrocare की मुहिम में सहयोग करें

डॉ संजय कुमार
पेट व लिवर रोग विशेषज्ञ

इलाज के साथ,
अब अनुभव भी होगा विश्वस्तरीय

गैस्ट्रोकेयर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में लिवर और पाचन तंत्र के अलावा अब स्त्री रोग, मूत्र रोग, किडनी रोग, कैंसर, मधुमेह और हार्मोन संबंधी बीमारियों का उन्नत इलाज - नवीनतम तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में।

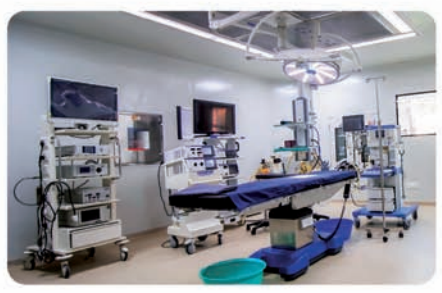

मध्यप्रदेश में पहली बार – अत्याधुनिक तकनीकें

FibroScan – Echosens Expert 630
- लिवर और स्प्लीन की बीमारी की painless और तुरंत जांच
- बायोप्सी का non-invasive विकल्प

SpyGlass System
- पित नली के कैंसर और पथरी की उन्नत जाँच
- हाई-डेफिनिशन कैमरा से सटीक डायग्नोसिस

Holmium Laser Technology
- बिना चीरे किडनी, पित और मूत्र नली की पथरी का इलाज

विशेषज्ञ सुविधाएं

विश्वस्तरीय - Advanced Endoscopy Theatres
उच्च सटीकता से की जाने वाली प्रक्रियाएं:
- एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, कैप्सूल एंडोस्कोपी, ई.आर.सी.पी.
- एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड और डबल बैलून एंटरोस्कोपी

Ultra-Modern Modular OT - दो 3D लैप्रोस्कोपी सिस्टम से सुसज्जित
- Gynae, GI, Urology और Cancer की जटिल सर्जरी में विशेषज्ञता
- संक्रमण-रहित (Infection-controlled) मॉड्यूलर वातावरण

Hi-Tech Radiology Unit - डिजिटल सटीकता के साथ
- सी.टी. स्कैन, एंजियोग्राफी, कलर डॉपलर
- डिजिटल एक्स-रे, सोनोग्राफी, वीडियो फ्लोरोस्कोपी

विशेषज्ञों द्वारा संचालित और पूर्ण रूप से सुसज्जित - Pathology Department
- Biopsy और Cytology की जांच वरिष्ठ हिस्टोपैथोलॉजिस्ट द्वारा
- सम्पूर्ण शरीर की स्वास्थ्य जांच की सुविधा

G.I. Physiology Lab – पाचन तंत्र की कार्यक्षमता की जांच
- Advanced Manometry – भोजन नली और आंतों की गति संबंधी समस्याओं की जांच
- pHmetry, H. Pylori Breath Tests – गैस, एसिडिटी, अल्सर जैसी समस्याओं के लिए

BIG Gastrocare Multi Speciality Hospital
E-3/120, 121, अरेरा कॉलोनी भोपाल
फोनः 0755-4055123, 4701444
हेल्पलाइनः 9300 951 215

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। *संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. – 8770932048